नव प्रदेश

www.navpradesh.com | रायपुर, रविवार 24 अक्टूबर 2021, कृष्ण पक्ष चर्तुथी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-10 अंक-251 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 40 प्रतिशत टिकट देने की जो घोषणा की है उसका महिला सशक्तिकरण की पैरोकारी करने वाली सभी राजनीतिक पार्टियों को स्वागत करना चाहिए। उन्हे भी इसके जवाब में 45 से 50 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देने की घोषणा करनी चाहिए लेकिन ऐसा न कर वे प्रियंका गांधी की पहल का मजाक उड़ा रही है। भाजपा बसपा और सपा की महिला नेत्रियां ही इसे चुनावी स्टांट करार दे रही है। यदि यह चुनावी स्टंट है तो अन्य दलों को ऐसा स्टंट करने से किसने रोका है।

सूर्योदय

उदय : 6:31 सुबह

अस्त : 5:50 शाम

जनसंख्या

विश्व : 7,901,743,150

भारत : 1,398,076,590

बाजार

सेंसेक्स : 60,821.62

निफ्टी : 18,114.90

गोल्ड : 47,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 65,600 प्रति किग्रा

अण्डा दर : 4.23 प्रति नग

दिवस

संयुक्त राष्ट्र संघ का स्थापना दिवस : संयुक्त राष्ट्र (एक अन्तरराष्ट्रीय संगठन है, संक्षिप्त रूप से इसे कई समाचार पत्र संरा भी लिखते हैं। जिसके उद्देश्य में उल्लेख है कि यह अन्तरराष्ट्रीय कानून को सुविधाजनक बनाने के सहयोग, अन्तरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, मानव अधिकार और विश्व शान्ति के लिए कार्यरत है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र अधिकारपत्र पर 50 देशों के हस्ताक्षर होने के साथ हुई।

इसलिए पीएम मोदी ने दी थी चेतावनी!

ब्रिटेन और रूस में कहर बरपा रहा कोरोना वैक्सीन से भी नहीं बच पा रहे

नई दिल्ली (ए.)। दुनिया के कई देशों में एक बार फिर कोरोना वायरस से संक्रमण के मामले में तेजी दिख रही है। ब्रिटेन में हर दिन 40 हजार से अधिक तो रूस में हर दिन 30 हजार से अधिक कोविड के केस देखे जा रहे हैं। लेकिन भारत कोरोना वायरस को लेकर अभी भी अलर्ट है। पीएम मोदी ने हाल ही में कहा है कि पूरे देश में उत्साह और उत्सव का माहौल है लेकिन हमें लापरवाह नहीं होना है। पूरी सतर्कता रखनी है। जब तक यह युद्ध जारी है तब तक हमें हथियार नहीं डालने हैं। हम कोरोना से जंग जीतेंगे।

रूस की बात करें तो क्रेमलिन ने 23 अक्टूबर को पिछले 24 घंटे में कोविड से

1075 लोगों के मरने की जानकारी दी है। अधिकारी मॉस्को सहित देश के सभी ऑफिस बंद करने की तैयारी में लगे हुए हैं। पिछले 24 घंटे में रूस में 37,678 केस आए हैं। ब्रिटेन की बात करें तो यहां पिछले 24 घंटे में 48,728 नए कोविड के केस आए हैं। ब्रिटेन में अक्टूबर से लगातार हर दिन 40 हजार से अधिक केस सामने आ रहे हैं।

कोविड के खिलाफ दुनिया में सबसे पहले टीका (स्पूतनिक) बनाने वाले रूस ने सिर्फ एक तिहाई लोगों को पूरी तरह से वैक्सीनेट किया है। ब्रिटेन की बात करें तो यहां करीब दो तिहाई लोग पूरी तरह से वैक्सीनेट हो चुके हैं लेकिन फिर भी कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ब्रिटेन ने भी कोरोना वैक्सीन ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज में देरी क्यों?

केंद्र सरकार ने राज्यों को खत लिखकर पूछा सवाल

नई दिल्ली। देश में 100 अरब कोरोना टीकों पर मन रहे जश्न के बीच केंद्र सरकार ने उन राज्यों को खत लिखकर जवाब मांगा है, जो वैक्सीन की दूसरी डोज लगाने में पिछड़ रहे हैं। केंद्र ने राज्यों से पत्र लिखकर कहा है कि वे कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज को देने में कोई देरी न करें। देश में अब तक 9 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्हें कोरोना की पहली

वैक्सीन तो लगी है, लेकिन दूसरी डोज के लिए इंतजार कर रहे हैं। केंद्र ने जिन राज्यों को खत लिखा है, उनमें उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और ओडिशा शामिल हैं। इन राज्यों में ऐसे कुल 9 करोड़ लोगों की 27 फीसदी संख्या मौजूद है। कोविशील्ड वैक्सीन की पहली और दूसरी डोज के बीच 12 सप्ताह का गैप रखने का फैसला लिया गया है।

कोरोना से 1 दिन में 666 लोगों की मौत के आंकड़े ने डराया

नई दिल्ली। देश में एक दिन में कोरोना के 16,326 नए केस ही मिले हैं, लेकिन मौतों की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ है, जो डराने वाला है। पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के चलते 666 लोगों के

मरने की खबर है। हालांकि नए केसों का आंकड़ा कम होने की वजह से थोड़ी राहत जरूर है। दरअसल मौतों का आंकड़ा बढ़ने की वजह केरल की ओर से दिया गया बैकलॉग भी शामिल है। केरल ने मौत के आंकड़े को रिवाइज करते हुए शुक्रवार को 563 मौतों के बैकलॉग की जानकारी दी थी। इसी के चलते यह आंकड़ा बढ़ते हुए 666 हो गया, जबकि दिन भर का वास्तविक आंकड़ा 103 का ही है।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा पर हाई लेवल मीटिंग में अमित शाह की दो टूक

आतंक का खात्मा करने करें अंतिम वार : शाह

कश्मीर में शाह, सिखों-पंडितों और यूपी-बिहार के मजदूरों की सुरक्षा का हो गया पुख्ता इंतजाम

श्रीनगर (ए)। जम्मू-कश्मीर में गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई हाईलेवल सिक्यॉरिटी मीटिंग में एक बड़ा फैसला हुआ है। श्रीनगर में शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्देश जारी किए गए हैं कि अब से घाटी में सिखों और कश्मीरी पंडितों के मोहल्लों की ड्रोन के जरिए निगरानी की जाएगी। स्थानीय नागरिकों और गैर कश्मीरी लोगों पर हुए हमलों के बाद अधिकारियों की बैठक में यह फैसला किया गया है।

सुरक्षा की दृष्टि से एरियल सर्विलांस के अलावा, ग्राउंड सिक्यॉरिटी के लिए इलाकों में

सीआरपीएफके साथ सीमा सुरक्षा बल की टुकड़ियों को भी तैनात किया जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से राजधानी श्रीनगर में अतिरिक्त नाके लगाए जाएंगे। साथ ही श्रीनगर की सड़कों पर सिक्यॉरिटी बंकर के जरिए सर्विलांस किया जाएगा।

शाह की हाई लेवल मीटिंग में कई फैसले

आर्टिकल 370 के प्रावधानों के अंत के बाद शनिवार को पहली बार श्रीनगर पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह ने यहां पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा समेत उच्च पदस्थ अफसरों के साथ सुरक्षा की समीक्षा की। इस बैठक में सेना, पुलिस, आईबी, मिलिट्री इंटेलिजेंस, सीआरपीएफ और बीएसएफ के अफसरों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा केंद्र के अधीन आने वाली अन्य एजेंसियों के अफसर भी बैठक में शामिल हुए।

50 अतिरिक्त कंपनियों की तैनाती

कश्मीर में करीब 7 साल बाद एक बार फिर बंकर युग की वापसी हुई है। श्रीनगर में 2014 में हटाए गए बंकर्स को एक बार फिर से बनाया जाने लगा है। इसके अलावा अर्धसैनिक बलों की 50 अतिरिक्त कंपनियों को श्रीनगर समेत घाटी के 8 जिलों में तैनात करने का काम शुरू हो गया है। कश्मीर में एनआईए के 70 से अधिक हाईलेवल अफसरों को कैंप करने के लिए कहा गया है। वहीं सीआरपीएफ के एक और स्पेशल डीजी को घाटी में तैनात करने की तैयारी की जा रही है।

हमले के बाद भागने की साजिश होगी नाकाम

श्रीनगर शहर में एक बार फिर बंकर्स के जरिए सुरक्षा की व्यवस्था की जा रही है। साल 2014 में बंकर्स की व्यवस्था को कश्मीर घाटी से हटाया गया था। 2011 से 2014 के बीच क्रमबद्ध तरीके से बंकर्स को हटाया गया था, लेकिन अब इन्हें वापस लाया गया है। कश्मीर में 'हिट ऐंड रन' यानि आतंकियों के हमला करने के बाद भागने की साजिश को नाकाम करने के लिए इन बंकर्स की व्यवस्था कराई गई है।

ड्रोन के जरिए इलाकों की निगरानी

सुरक्षा एजेंसियों के इनपुट्स के आधार पर एजेंसियों ने यह फैसला लिया है कि घाटी में तमाम संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा के बंदोबस्त किए जाएंगे। इसके अलावा सिखों, कश्मीरी पंडितों, बकरवालों और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के इलाकों पर नजर रखने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके लिए वर्तमान व्यवस्था के अलावा ■ शेष पृष्ठ 6 पर

स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार करने में पत्रकारों की अहम भूमिका थी : सीएम भूपेश

■ मुख्यमंत्री 'न्यू इंडिया का न्यू मीडिया' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं प्रदेश पत्रकार यूनियन के अलंकरण समारोह में शामिल हुए

रायपुर/नवप्रदेश। स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार करने में पत्रकारों की अहम भूमिका थी। चाहे गांधी जी हों, तिलक हों, पंडित मोतीलाल नेहरू हों या गणेश शंकर विद्यार्थी। इन्होंने देश की स्वातंत्र्य चेतना को पत्रकारिता के माध्यम से स्वर दिये। उनके दिये गये संस्कार न्यू मीडिया के लिए धरोहर की तरह हैं। लोकतांत्रिक मूल्यों के सजग प्रहरी के रूप में उन्होंने पत्रकारिता की भूमिका स्थापित की। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी लोकतंत्र को मजबूत बनाने में चौथे स्तंभ की प्रखर भूमिका में पत्रकारिता रही। आजादी के बाद किसानों, वनवासियों और श्रमिकों जैसे वंचित वर्गों की आवाज बनकर पत्रकारिता उभरी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शनिवार को भिलाई सेक्टर-4 के एसएनजी स्कूल ऑडिटोरियम में न्यू इंडिया का न्यू मीडिया विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, पत्रकारिता अलंकरण एवं सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक बाजार के इस दौर में पत्रकारिता को नई चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

ऑस्ट्रेलिया की विजयी शुरुआत, दक्षिण अफ्रीका को 5 विकेट से हराया

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप 2021 में सुपर 12 में ग्रुप-1 के पहले मैच में आज दक्षिण अफ्रीका को हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से हरा दिया। अबुधाबी के शेख जायेद स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट पर 118 रन पर रोक दिया और फिर दो गेंद शेष रहते पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

पुलिस अफसरों की हुई बैठक

साइबर क्राइम पर लगाम लगाने छह राज्यों ने मिलाया हाथ

रायपुर/नवप्रदेश। देश में बढ़ते साइबर अपराधों से निपटने के लिए रायपुर पुलिस मुख्यालय में 6 राज्यों सहित गृह मंत्रालय की संयुक्त रूप में आपसी सामंजस्य बनाने को लेकर बैठक आयोजित की गई। इस दौरान छग विशेष पुलिस महानिदेशक आरके विज, अशोक जुनेजा विशेष पुलिस महानिदेशक, हिमांशु गुप्ता एडीजी, मनीष शर्मा सहायक पुलिस महानिरीक्षक छग, कवि गुप्ता अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, दिनेश कुमार सिन्हा यूपी, तथा गृह मंत्रालय से आये दीपक विरमानी उप सचिव, हिमांशु पाण्डेय, डीजीएम, जितेन्दर सिंह एसीपी उत्तरप्रदेश पुलिस, रामकुमार, एडीजी साइबर, प्रो. त्रिवेणी सिंह, एसपी साइबर क्राइम, बिहार पुलिस से विशाल शर्मा कमाण्डेंट, सुनील कुमार, उप पुलिस अधीक्षक ईओडब्ल्यू, झारखण्ड पुलिस से अरविन्द बीन्हा, यूपी सीआईडी, सुमीत प्रसाद यूपी, कोलकाता पुलिस से नुरूल अब्सार, ओडिशा पुलिस से अमितेन्द्र नाथ सिन्हा आईजी व पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के एडीजी अशोक जुनेजा के द्वारा वर्तमान में मोबाइल डिवाइस तथा इंटरनेट प्रत्येक व्यक्ति की आवश्यकता तथा उस पर निर्भरता के बारे में उल्लेख करते हुये देश में बढ़ते साइबर क्राइम परिदृश्य के बारे में बताया गया। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

'आगे बढ़ें और राजनीति में आइए'

■ प्रियंका गांधी ने की महिलाओं से अपील

नई दिल्ली (ए.)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी अपने अंदाज में यूपी का चुनावी अभियान आगे बढ़ा रही हैं। आज प्रियंका गांधी ने बाराबंकी से प्रतिज्ञा यात्रा की शुरुआत की और बाराबंकी जाते हुए प्रियंका गांधी खेतों में गईं और वहां मौजूद महिलाओं से मुलाकात की। महिलाओं ने प्रियंका गांधी को रोटी-साग खिलाया। प्रियंका महिलाओं से गले भी मिलीं। इस मौके पर प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि जबतक महिलाएं राजनीति में आगे नहीं आएंगी, महिला अपराध में कमी नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ये चाहती है कि महिलाएं राजनीति में आगे आएं और अपनी लड़ाई खुद लड़ें। प्रियंका गांधी ने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यूपी में किसानों को कुचला जाता है। कांग्रेस पार्टी सभी किसानों के कर्ज माफ करेगी।

सड़क हादसा

ऑटो व कार में भिड़ंत 3 की मौत, 8 घायल

बेमेतरा। जिले में सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक महिला भी शामिल है। 8 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को रायपुर रेफर किया गया है। हादसा ऑटो और जाइलो कार के आमने-सामने भिड़ने से हुआ है। ऑटो सवार शोक कार्यक्रम से दुर्ग के लिए लौट रहे थे। हादसा साजा थाना क्षेत्र में हुआ है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। सूचना के मुताबिक, भिलाई का मानिकपुरी परिवार ठाठापुर एक शोक कार्यक्रम में गया था। वहां से रात करीब 9.30 बजे ऑटो से लौट रहा था। कि दुर्ग की ओर जा रही जाइलो कार से आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही चीख-पुकार मच गई। चीख-पुकार की शोर सुनते ही गांव के लोग घटना स्थल में पहुंचे, पीड़ितों की मदद की और इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। वहीं मौके पर ही भिलाई के डबरा पारा निवासी 50 वर्षीय गीता बाई और 50 वर्षीय बहादुर दास की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। स्वास्थ्य केंद्र में दो की हालत गंभीर बताते हुए तत्काल उन्हें रायपुर रेफर कर दिया गया है। इनमें कार ■ शेष पृष्ठ 6 पर

7 डीएसपी का जारी हुआ तबादला

रायपुर/नवप्रदेश। शुक्रवार को ईओडब्ल्यू ने 7 उप पुलिस अधीक्षकों का तबादला सूची जारी किया है। इनमें फरहान कुरैशी, संजय दिनकर देवस्थले, बनार्ड कुजूर, सपन चौधरी, विक्रांत राही, अजितेश सिंह और अकिक खोखर का नाम शामिल है। फरहान कुरैशी को ईओडब्ल्य मुख्यालय से ईओडब्ल्य रायपुर भेजा गया है। संजय दिनकर देवस्थले मुख्यालय ईओडब्ल्य से एसीबी रायपुर गए हैं। बेनार्ड कुजूर मुख्यालय ईओडब्ल्यू से एसीबी रायपुर, सपन चौधरी एसीबी बिलासपुर से एसीबी रायपुर, विक्रांत राही एसीबी रायपुर से एससीबी बिलासपुर, अजितेश एसीबी अंबिकापुर से एसीबी बिलासपुर और अकीक खोखर मुख्यालय ईओडब्ल्य से एसीबी अंबिकापुर स्थानांतरित हुए हैं।

पत्राचार — नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को लिखा पत्र

पेंशनर्स कर्मचारियों के लिए भत्ता और बोनस की रखी मांग

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में सरकारी कर्मचारियों को धरमलाल कौशिक पेंशनर्स के डीए और बोनस के संबंध में नेताप्रतिपक्ष ने धरमलाल कौशिक ने सीएम भूपेश बघेल को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने छत्तीसगढ़ के सभी कर्मचारियों को केंद्र के अनुरूप पेंशनर्स के डीए और बोनस देने की मांग की है। उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार से तुलना करते हुए लिखा कि जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय कर्मचारियों का डीए बढ़ाने का फैसला किया है। आपसे आग्रह है कि उसी के अनुरूप प्रदेश के कर्मचारियों के डीए में वृद्धि करे।

ये है कौशिक का पत्र

प्रति,
श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन
सिविल लाइंस, रायपुर.

विषयः केंद्र के अनुरूप शासकीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के डीए और बोनस के संबंध में.

प्रदेशभर में इन दिनों विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारीगण अपनी विभिन्न न्यायोचित मांगों और आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए ज़द्दोज़हद कर रहे हैं। कोरोना संक्रमण की भयावह त्रासदी के समय आपसे

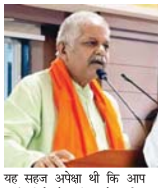

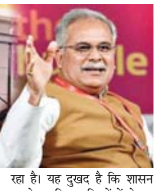

यह सहज अपेक्षा थी कि आप कर्मचारियों के प्रति संवेदनशील होकर उनकी हरसंभव सहायता करेंगे।लेकिन शासन की उपेक्षा के शिकार कर्मचारियों को लगातार आंदोलन के लिए विवश होना पड़ रहा है। यह दुखद है कि शासन अपने प्राथमिक दायित्वों में से इस एक का निर्वहन भी अपेक्षानुरूप नहीं कर पाई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जिस दर से केंद्रीय कर्मचारियों का डीए बढ़ाने का फैसला किया है। आपसे आग्रह है कि उसी के अनुरूप प्रदेश के कर्मचारियों के डीए में वृद्धि करें। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार का डीए जहां 31 प्रतिशत तक पहुंच गया है, वहीं प्रदेश सरकार का डीए अभी भी 17 प्रतिशत पर रुका पड़ा है। यह निहायत ही अनुचित है। अपने हिस्से और हक़ का 14 प्रतिशत डीए इस तरह रोककर रखे जाने से प्रदेशभर कर्मचारी निराश व हताश हो रहे हैं। इसी तरह केंद्र सरकार ने पेंशनर्स को भी डीए बढ़ाकर आर्थिक लाभ पहुंचाया है, जबकि आपके नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार ने पेंशनर्स को इस लाभ से पूरी तरह वंचित कर दिया, जो पेंशनर्स के साथ भी अन्याय है।

आपको ज्ञात होगा कि केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए इस वर्ष दीपावली बोनस की घोषणा की है। प्रदेश सरकार को भी उसी के अनुरूप त्योहारी बोनस की घोषणा करना चाहिए। प्रदेश के कर्मचारी भी केन्द्रीय कर्मचारियों की तरह हमारे अपने हैं। उनका भी उसी तरह ध्यान रखे जाने की आवश्यकता है। उन्हें भी अपना त्यौहार मनाने का अधिकार है। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

ई-मेगा लीगल सर्विस कैम्प का 23 सिविल डिस्ट्रीक में आयोजन आज

■ प्रमुख न्यायाधीश न्यायमूर्ति गोस्वामी करेंगे शुभारम्भ

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के प्रमुख न्यायाधीश तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रमुख संरक्षक न्यायमूर्ति अरूप कुमार गोस्वामी रविवार, 24 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे राज्य के सभी 23 सिविल डिस्ट्रीक में होने वाले ई-मेगा लीगल सर्विस कैम्प का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुभारंभ करेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल तथा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय एस. अग्रवाल रहेंगे।

यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और आउटरीच प्रोग्राम के तत्वाधान में किया जा रहा है। यह आयोजन न्यायालय परिसर, रायपुर में सुबह 10.30 बजे से होगा। इस आयोजन में जिला एवं सत्र न्यायाधीश रायपुर अरविन्द कुमार वर्मा, कलेक्टर सौरभ कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल भी शामिल होंगे। इस अवसर पर विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी।

न्यूज गैलरी

प्रोत्साहन राशि के संबंध में दावा आपत्ति 2 नवंबर तक

दुर्ग (नव प्रदेश)। क्षितिज अपार संभावनाएं योजनांतर्गत हाई स्कूल/हायर सेकेंडरी की परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने पर दिव्यांग विद्यार्थियों को दिए जाने वाला प्रोत्साहन राशि के लिए जिला स्तरीय समिति के द्वारा वरीयता सूची जारी कर दिया गया है। जारी सूची के संबंध में यदि किसी विद्यार्थी को आपत्ति हो तो वे 2 नवंबर तक उप संचालक समाज कल्याण विभाग में दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। सूची का अवलोकन समाज कल्याण विभाग के सूचना पटल किया जा सकता है।

अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

दुर्ग (नव प्रदेश)। आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध शराब के विरुद्ध अभियान चलाकर रोकथाम की कार्रवाई की जा रही है। इसमें नीता भगत पति हितेश भगत मॉडल टाउन नेहरु नगर भिलाई से अवैध भंडारण करने पर आबकारी अधिनियम कें अंतर्गत गिरफ्तार कर प्रकरण विवेचना मे लिया गया है। आरोपी से 233.280 बल्क लीटर विदेशी मदिरा जप्त किया गया।

सोमवार और मंगलवार को होगा जनदर्शन

दुर्ग/नवप्रदेश। कोरोना संक्रमण को देखते हुए कलेक्टर जनदर्शन स्थगित किया गया था। अब इसे पुनः आरंभ करने का निर्णय लिया गया है। कलेक्टर जनदर्शन सप्ताह के दो दिन सोमवार और मंगलवार को आयोजित किया जाएगा। इसका समय सुबह 10 बजे से दो बजे तक होगा। जिले के नागरिकगण अपनी समस्या से संबंधित आवेदन कलेक्टर जनदर्शन में कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे से भेंट कर दे सकते हैं।

''हमको प्यारा है देश हमारा,'' कुष्ठ मुक्त हो संकल्प हमारा

दुर्ग/नवप्रदेश। ''कुष्ठ विशेष जांच खोज'' अभियान का आगाज़ एसीडी और आरएस (एक्टिव केस डिटेक्शन एंड रेगुलर सर्विलस) के तहत आशादीप कुष्ठ कॉलोनी भिलाई में जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. अनिल शुक्ला के मार्गदर्शन में चल रहे, कार्यक्रम की समीक्षा की गई और कुष्ठ के मरीज और लोगों को कुष्ठ के विषय में जानकारी दिया गया और मितानिनों को उनके अच्छे कार्य करने के लिए उनको प्रोत्साहित किया गया।

त्योहारों को देखते हुए पुलिस प्रशासन एवं व्यापारी संघ की संयुक्त बैठक

अतिरिक्त सामान फैलाकर व्यवसाय करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई, चलेगा अभियान

नव प्रदेश संवाददाता

भिलाई नगर। आगामी त्योहारों को देखते हुए ट्रैफिक एवं पार्किंग को व्यवस्थित करने के लिए निगम, पुलिस प्रशासन एवं व्यापारी संघ की निगम सभागार में बैठक हुई जिसमें चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी विशेष रूप से मौजूद रहे। रविवार को पार्किंग एवं ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए संयुक्त निरीक्षण मार्केट क्षेत्रों का किया जाएगा। त्योहारी सीजन को देखते हुए पार्किंग की उचित व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापारी संघ से सुझाव बैठक में लिए गए, वहीं निगम एवं पुलिस प्रशासन ने भी कुछ स्थानों पर भीड़ होने के कारण पार्किंग के लिए व्यवस्था बनाने प्रशासन का सहयोग करने व्यापारियों से कहा। बैठक में निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर संजय ध्रुव, ट्रैफिक डीएसपी गुरजीत सिंह, अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, निगम के समस्त जोन आयुक्त, सहायक राजस्व अधिकारी, चेंबर ऑफकॉमर्स एवं व्यापारी संघ के पदाधिकारी अजय भसीन, अक्षय गुप्ता, उत्तम चंद जैन, सुभाष साहू, गौरी शंकर मिश्रा, सतीश जैन, पवन अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, अकाश गुप्ता, राजीव कुमार गुप्ता, दिनेश कुमार, प्रकाश, सुनील मिश्रा इत्यादि मौजूद रहे।

इन क्षेत्रों में पार्किंग के लिए मिले सुझाव आकाशगंगा मार्केट में पार्किंग के लिए चयनित स्थल के अतिरिक्त पारख ज्वेलर्स के पीछे एवं समीपस्थ ब्रिज के पास, सुपेला मार्केट क्षेत्र के लिए संजय नगर तालाब के समीप स्थल एवं वेंकटेश्वर टॉकीज के पास, पावर हाउस क्षेत्र के लिए लाल मैदान एवं छावनी थाना के समीप का स्थल, सेक्टर 10 मार्केट के लिए सड़क नंबर 14 एवं 15 तथा 16 एवं 17 के मध्य का स्थल इसके अतिरिक्त मार्केट के समीपस्थ खाली स्थानों पर पार्किंग स्थल तैयार करने बैठक में सुझाव प्राप्त हुए।

रविवार को होगा संयुक्त निरीक्षण रविवार को निगम, पुलिस प्रशासन एवं चेंबर ऑफ कॉमर्स तथा व्यापारी संघ के पदाधिकारी संयुक्त निरीक्षण मार्केट क्षेत्रों का करेंगे और मार्केट क्षेत्र में पार्किंग की उचित व्यवस्था बनाने के लिए स्थल चयनित करेंगे। साथ ही जिन मार्केट क्षेत्रों में त्यौहारों में अत्यधिक भीड़ होती है उन स्थलों का निरीक्षण कर जायजा लेंगे।

अपने अहाते के भीतर रखे सामान अन्यथा होगी कार्यवाही निगम प्रशासन दुकानदारों/व्यवसायियों से यह अपील करती है कि दुकानों के सामान को सड़क में फैलाकर तथा सड़क बाधा कर व्यवसाय न करें। अपने दुकान की सीमा क्षेत्र तक ही सामान रखें अनावश्यक रूप से सड़क बाधा करने पर कार्रवाई की जाएगी। वही निर्धारित स्थलों पर ही व्यवसाय करें! पसरा वाले, ठेला वाले एवं गुमटी के माध्यम से व्यवसाय करने वाले बेतरतीब तरीके से दुकानें न लगाएं जिससे कि यातायात बाधित हो, वहीं दुकानदार कोविड के प्रोटोकॉल एवं गाइडलाइन का अनिवार्य रूप से पालन करें।

मार्केट क्षेत्र के शौचालय, लाइट व्यवस्था एवं सीसीटीवी कैमरे दुरुस्त रखने पर जोर मार्केट क्षेत्र के शौचालय, यूरिनल लाइटिंग व्यवस्था दुरुस्त होंगे! इसके लिए निगम आयुक्त ने सभी जोन आयुक्त एवं स्वास्थ्य अधिकारी को सख्त निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने कहा कि महिलाओं को खासकर बाजारों में प्रशासन की व्यवस्था ठीक नहीं होने पर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वही मार्केट क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरा को दुरुस्त रखने व्यापारियों से कहा गया है, इसके साथ ही मार्केट क्षेत्रों में चौकीदार की व्यवस्था करने भी व्यापारी संघ के पदाधिकारियों से चर्चा की गई। पसरा वालों के लिए स्थल चिन्हित करने पर भी चर्चा हुई, इसके साथ ही मोमबत्ती की आड़ में पटाखा का विक्रय करने वाले को भी चिन्हित किया जाएगा।

बीएसपी ने किया ग्राहक सम्मेलन का सफल आयोजन

नव प्रदेश संवाददाता

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में भिलाई निवास में आज दिनांक 23 अक्टूबर, 2021 को ग्राहक सम्मेलन (कस्टमर मीट)-2021 का आयोजन किया गया। इस समारोह में सेल के 75 से भी अधिक महत्वपूर्ण ग्राहकों ने अपनी भागीदारी दी। इस कस्टमर मीट में सेल, चेयरमेन सोमा मंडल ने डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जुड़ी रही। इस अवसर पर सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता सहित कार्यपालक निदेशक (सेल्स एवं आईटीडी) एमसी अग्रवाल, कार्यपालक निदेशक (मार्केटिंग सीएमओ) वीएस चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक राकेश तथा कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार मंचस्थ रहे। सेल, चेयरमेन सोमा मंडल ने कहा कि इतने दिनों बाद आप सभी सम्मानीय ग्राहकों से मिलकर खुशी हो रही है। यह हमारे लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि इस सम्मेलन में हमारे निजी क्षेत्र से लेकर सरकारी क्षेत्र तक सभी वर्ग के ग्राहक शिरकत कर रहे हैं। यह सेल की खुशकिस्मती है कि आप जैसे ग्राहक आज हमारे पास है। हमने कोविड महामारी के दौरान भी आपकी जरूरतों को पूरा करने की पूरी कोशिश की है। सेल में ऑपरेषन स्ट्रैटेजी आपकी जरूरतों के हिसाब से बनायी जाती है। सेल में आधुनिकीकरण व विस्तारीकरण भी ग्राहकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जाता है। आज हम 20 मिलियन टन इस्पात का उत्पादन कर रहे है। आने वाले समय में इसे हम 24 मिलियन टन तथा 50 मिलियन टन तक विस्तार करने जा रहे है। एक महत्वपूर्ण उत्पाद है रेल, परन्तु बीएसपी के पास अन्य उत्पादों की भी एक लंबी श्रृंखला मौजूद है।

लीगल सर्विस कैम्प का आयोजन आज

दुर्ग (नव प्रदेश)। शासन की कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के संबंध में जनसामान्य को अवगत कराने व लाभान्वित करने के उद्देश्य से 24 अक्टूबर को लिगल सर्विस कैंप का आयोजन नगरीय निकाय एवं जनपद पंचायत स्तर पर किया जाएगा। कैम्प का आयोजन नगरीय निकाय दुर्ग, भिलाई, चरौदा रिसाली, जामुल, कुम्हारी, पाटन व नगर पंचायत उतई, धमधा, अहिवारा एवं जनपद पंचायत दुर्ग, धमधा, पाटन के कार्यालय में आयोजित होगा।

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग अण्डा सर्किल (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-27/ वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नारायण देशमुख आ. स्व. गोपाल देशमुख निवासी बिरेझर ग्राम बिरेझर तह. व जिला दुर्ग स्थित खाता क्र....... में दर्ज भूमि खसरा 1133/2, 1637 रकबा 0.210, 0.230 हे. भूमि जो कि आवेदक / आवेदिका नारायण देशमुख के नाम पर शामिलात रूप से वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि का पूर्व में हुए आपसी बंटवारा एवं कास्त कब्जा के आधार पर पृथक-पृथक सामान हिस्सों में खाता विभाजन किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 11.11.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13.10.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र02//अ-20(1)/ वर्ष 2020 -21

आवेदिका कमला बाई पति खुशाल चंद निवासी गंजपारा दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग में स्थित मोहल्ला गंजपारा नजूल भूमि शीट क्रमांक 30 बी भूखण्ड क्रमांक 64/1 क्षेत्रफल 645 वर्गमीटर आवासीय/ व्यवसायिक भूखण्ड स्थाई नजूल पट्टे पर उन्हे प्राप्त है जिसकी पट्टा अवधि 31/03/2032 है। छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय माहनदी भवन, मंत्रालय रायपुर के पत्र क्र. एफ 04-07/ 7-1/ 2019 दिनांक 11.09.2019 एवं 26.10.2019 में जारी निर्देशों के अनुक्रम में धारक/पट्टेदार द्वारा शासन की शर्तो के अनुरूप उक्त भूखण्ड का भूमि स्वामी अधिकार प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव् एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्तिया दावा हो प्रकरण की सुनवाई 08/11/21 या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 21.10.2021 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — नजूल अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार अहिवारा-2 तह. धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र /202110104000040/अ-06/ वर्ष 2020 -21

मौजा- सेमरिया / प.ह.नं. - 37

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक देवेन्द्र साहू पिता स्व. सुखीराम साहू साकिन मलपुरीकला, तह. धमधा व जिला दुर्ग (छ.ग) के द्वारा संहिता की धारा 109/110 के अंतर्गत आवेदन किया है कि मौजा सेमरिया प.ह.नं. 37 रा.नि.मं. दारगांव तह. धमधा स्थिम भूमि खसरा नं. 518/1, 609, 905, 1623 रकबा क्र. 0.03, 0.64, 0.34, 0.16 हेक्टेयर राजस्व अभिलेख में भूधारक हिमांचल पिता सुखीराम वगै. के भूस्वामित्व मे दर्ज है, भूधारक/ सहखातेदार पानाबाई पति स्व. सुखीराम की मृत्यु दिनांक 16.08.2021 को होना लेख कर मृतक भूधारक का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारिसानों के नाम फौती नामांतरण दर्ज करने हेतु निवेदन किया है जो प्रक्रियाधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को इस संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना हो तो दिनांक 16.11.2021 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 16.11.2021 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — नायब तहसीलदार अहिवारा-2 (छ.ग.)

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरा पक्षकार (क्रेता) श्रीमती सुष्मा सोनी पति रविन्द्र कुमार सोनी निवासी- ईडब्ल्यूएस-1520, कुरूद कालोनी भिलाई दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा विक्रेता श्रीमती नसीब कौर पति स्व. दर्शन सिंह निवासी एम.आई.जी 02, 1020 हाऊसिंग बोर्ड औ. क्षे. भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) के भूमिस्वामी हक व कब्जे की भूमि वाके मौजा ग्राम एम.आई.जी-02 1020 हाऊसिंग बोर्ड औ. क्षे. भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) में स्थित पक्का मकान जिसका भवन क्रमांक एम.आई.जी 02 1020 को क्रय करने का पक्का सौदा तय कर बयाना देकर इकरारनामा निष्पादित किया जा चुका है। उक्त भूमि के विक्रय विलेख का पंजीयन निष्पादन होना शेष है। अतएव् जिस किसी भी व्यक्ति संस्था निकाय निगम शासकीय अर्धशासकीय प्राईवेट बैंक आदि को उक्त संबंध में कोई आपत्ति व उजर हो तो वह इस आम सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर मय दस्तावेज अपनी आपित्त मेरे नीचे लिखे पते पर प्रस्तुत करें। अन्यथा मेरा पक्षकार पूर्ण राशि का भुगतान कर अपने पक्ष में बयनामा पंजीयन करवा लेगा। समयावधि पश्चात की गई आपत्ति शून्य व निष्प्रभावी होगा जो मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगा।

भवदीय

फैजय अहमद दस्तावेज लेखक तहसील परिसर दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.) मो. नं.- 9300291152, 9301163607

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
फर्द बंटवारा

रा.प्र.क्र./202008101400086

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लालचंद साहू पिता स्व. अभयराम साहू वि. देवनारायण साहू पिता स्व. अभयराम साहू निवासी 689 अभय सदन हनोदा रोड बोरसी जिला दुर्ग ग्राम मातरोडीह प.ह.न 46 स्थित भूमि खसरा नंबर 3/1 एवं 8/2 रकबा 0.4780, 0.0800 हे. कुल खसरा नं. 93/1 व 93/3 कुल खसरा नं. 02 रकबा 0.220, 0.220 हे. कुल रकबा 0.44 हे. भूमि स्वामी हक में दर्ज है। उक्त अचल संपित्त का खाता विभाजन हल्का पटवारी के फर्द रिपोट अनुसार पक्षकार क्र. 01 लालचंद साहू पिता अभयराम निवासी हनोदा रोड बोरसी खसरा नं. 93/3 रकबा 0.220 हे. लगान 0.61 रू तथा पक्षकार क्रमांक-2 देवनारायण पिता अभयराम निवासी हनोदा रोक बोरसी खसरा नं. 93/1 रकबा 0.220 हे. लगान 0.61 रूपए भूमि फर्द के अनुसार प्राप्त हुआ।

अतएव् प्रस्तुत फर्द का प्रकाशन ग्राम कोटवार के माध्यम से चस्पा करें तथा एक प्रति न्यायालय में प्रस्तुत करें। दिनांक 27/10/2021 के पूर्व इसे निर्धारित तिथि के पहले तामिल करावें।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक देवेश कुमार आ. नरेश कुमार श्रीवास्तव साकिन कादम्बरी नगर दुर्ग द्वारा ग्राम गनियारी प.ह.न. 10 रा.नि.मं. दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 242/3, 291/3 रकबा कुल 2.1200 हे. जो उसके स्व. नरेश कुमार / गैंदसिंह श्रीवास्तव के नाम पर दर्ज है की फौती दर्ज किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्त भूमि को आवेदक के नाम पर नामांतरण किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 30.10.2021 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 23.10.2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

मा.क्र.//अ-06/ वर्ष 2020 -21

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका तारा तिवारी पति राकेश कुमार तिवारी निवासी प्रताप देव वार्ड ने. 11 जगदलपुर बस्तर के द्वारा अपने हक की क्रयशुदा भुमि ग्राम जुनवानी प.ह.नं. 15/21 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 66/89 रकबा 1500 वर्गफीट भूमि को विक्रय पत्र के आधार पर विक्रेता अनिता सिंह पिता/पति संगम सिंह के नाम से पृथक कर आवेदक का नाम पटवारी अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को इस संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना हो तो दिनांक 28.10.2021 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 12.10.2021 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ओमप्रकाश चंदानिया पिता संतोष चंदानिया निवासी ग्राम पोटियाकला दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम पोटियाकला तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 309/2 रकबा 900 वर्गफीट भूमि को विक्रेता संतोष कुमार चंदेल पिता ईतवारी चंदेल अन्य-2 निवासी ग्राम नया आमापारा दुर्ग से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 18.10.2021 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 09.11.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 21.10.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
व्यक्तिगत सूचना

मा.क्र./202106100700137/अ-06/वर्ष 2020-21

प्रति, 1. जानकी बाई/ स्व. बिहारी 2. शुभम आ. स्व. बिहारी 3. श्रीमती पार्वती बाई/ स्व. बिसेसर साकिन पाटियाकला दुर्ग तह. व जिला दुर्ग।

विषय- क्रय/विक्रय शुदा भूमि का नामांतरण बाबत्।

आपको सूचित किया जाता है कि ग्राम पाटियाकला प.ह.न 23 (अ) तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 460/1 का टुकड़ा रकबा 0.0130 हेक्टेयर भूमि को पंजीकृत विक्रय दिनांक 23/02/2021 के द्वारा आवेदक के पास विक्रय किया गया है। आवेदक क्रेता श्रीमती खोरबाहरिन बाई पत्नि नरेन्द्र खोब्रागड़े के द्वारा उक्त भूमि को राजस्व अभिलेख में नाम दर्ज करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण विचाराधीन है। प्रकरण सुनवाई हेतु दिनांक 27/10/21 को नियत है। अतः आप नियत सुनवाई दिनांक को न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा पेश कर सकते है। बाद में आपत्ति आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

आज दिनांक 18.10.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
व्यक्तिगत सूचना

मा.क्र./202106100700139/अ-06/वर्ष 2020-21

प्रति, 1. जानकी बाई/ स्व. बिहारी 2. शुभम आ. स्व. बिहारी 3. श्रीमती पार्वती बाई/ स्व. बिसेसर साकिन पाटियाकला दुर्ग तह. व जिला दुर्ग।

विषय- क्रय/विक्रय शुदा भूमि का नामांतरण बाबत्।

आपको सूचित किया जाता है कि ग्राम पाटियाकला प.ह.न 23 (अ) तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 460/1 का टुकड़ा रकबा 0.0090 हेक्टेयर भूमि को पंजीकृत विक्रय दिनांक 2/03/2021 के द्वारा आवेदक के पास विक्रय किया गया है। आवेदक क्रेता कैलाश कुमार साहू आ. सुखीराम साहू के द्वारा उक्त भूमि को राजस्व अभिलेख में नाम दर्ज करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण विचाराधीन है। प्रकरण सुनवाई हेतु दिनांक 27/10/21 को नियत है। अतः आप नियत सुनवाई दिनांक को न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा पेश कर सकते है। बाद में आपत्ति आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

आज दिनांक 18.10.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
व्यक्तिगत सूचना

मा.क्र./202106100700138/अ-06/वर्ष 2020-21

प्रति, 1. जानकी बाई/ स्व. बिहारी 2. शुभम आ. स्व. बिहारी 3. श्रीमती पार्वती बाई/ स्व. बिसेसर साकिन पाटियाकला दुर्ग तह. व जिला दुर्ग।

विषय- क्रय/विक्रय शुदा भूमि का नामांतरण बाबत्।

आपको सूचित किया जाता है कि ग्राम पाटियाकला प.ह.न 23 (अ) तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 460/1 का टुकड़ा रकबा 0.0120 हेक्टेयर भूमि को पंजीकृत विक्रय दिनांक 2/03/2021 के द्वारा आवेदक के पास विक्रय किया गया है। आवेदक क्रेता शेर सिंह साहू आ. चन्दर राम साहू के द्वारा उक्त भूमि को राजस्व अभिलेख में नाम दर्ज करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण विचाराधीन है। प्रकरण सुनवाई हेतु दिनांक 27/10/21 को नियत है। अतः आप नियत सुनवाई दिनांक को न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा पेश कर सकते है। बाद में आपत्ति आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

आज दिनांक 18.10.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग -1 (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-6/ वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दानप्राप्तकर्ती आवेदिका श्रीमती धरमबाई चंदेल पति मंगलदास चंदेल साकिन खोपली के द्वारा ग्राम खोपली प.ह.न 43 रा.नि.मं. अण्डा तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1238 रकबा 0.160 हे. भूमि दानकर्ता बुधेलाल आ. स्व. कुलबुल नि. ग्राम खोपली तह. व जिला दुग्र से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 22/10/21 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को क्रेता के नाम पर प्रमाणिकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायाालय में प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 08.11.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 2310.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग -1 (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-6/ वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका प्रीति वर्मा पति महेन्द्र कुमार वर्मा साकिन उतई के द्वारा ग्राम खोपली प.ह.न 43 रा.नि.मं. अण्डा तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 728, 826 रकबा 0.91 हे. कुल रकबा भूमि महेन्द्र कुमार आ. मंगल दास व अन्य 9 निवासी खोपली से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 22/10/21 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को क्रेता के नाम पर प्रमाणिकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायाालय में प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 08.11.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 2310.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ / वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक कोमल देशमुख पिता स्व. विसौहा राम देशमुख निवासी चंगोरी मौजा चंगोरी प.ह.नं. 30 रा.नि.मं. अंजोरा (स) तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 131, 786, 1423, 1524 रकबा 0.520, 0.830, 0.020, 0.100 को खाता विभाजन कर अलग अलग ऋण पुस्तिका प्रदान करने हेतु न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 11.11.2021 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 22.10.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक हेमंत ब्रम्हभट्ट पिता सदन ब्रम्हभट्ट निवासी मका. नं. 204/5, पंचमुखी चौक ब्राम्हण पारा दुर्ग मौजा उरला प.ह.नं. 07 रा.नि.मं. सिकोला तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 417/67 रकबा 1248 वर्गफुट भूमि को विक्रेता/आम मुख्तयार श्रीमती भारती साहू पिता बाबूलाल साहू से दिनांक 26/03/21 को क्रय कर रजिस्ट्री बैनामा निष्पादित किया है आवेदक द्वारा उक्त बैनामा के आधार पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 08.11.2021 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 21.10.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक डामेश्वर कुमार साहू व अन्य 2 पिता संतोष कुमार साहु निवासी मका. नं. 303 शीतला मंदिर आमापारा बघेरा दुर्ग मौजा बघेरा प.ह.नं. 48 रा.नि.मं. दुर्ग-2 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 318/3 का टुकड़ा रकबा 1000 वर्गफुट भूमि को विक्रेता/आम मुख्तयार किशोर कुमार पाटिल पिता सूर्यकांत पाटिल से दिनांक 12/10/21 को क्रय कर रजिस्ट्री बैनामा निष्पादित किया है आवेदक द्वारा उक्त बैनामा के आधार पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 08.11.2021 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 21.10.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक चंद्रकिशोर पालिया पिता पी.एल.पालिया निवासी वार्ड-52 सड़क-6 न्यू अदर्श नगर दुर्ग (छ.ग.) मौजा उरला प.ह.नं. 07 रा.नि.मं. सिकोला तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 259/10 का टुकड़ा रकबा 0.004 हे. भूमि को विक्रेता दीपक कुमार साहु व अन्य-1 पिता गोपाल राम साहु से दिनांक 08/09/21 को क्रय कर रजिस्ट्री बैनामा निष्पादित किया है आवेदक द्वारा उक्त बैनामा के आधार पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 23.10.2021 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 08.10.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक संतोष कुमार सोनी पिता हनुमान सोनी निवासी स्वामी विवेकानंद वार्ड नं.-9 गिरधारी नगर दुर्ग (छ.ग.) मौजा उरला प.ह.नं. 07 रा.नि.मं. सिकोला तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 259/10 का टुकड़ा रकबा 0.003 हे. भूमि को विक्रेता दीपक कुमार साहु व अन्य-1 पिता गोपाल राम साहु से दिनांक 08/09/21 को क्रय कर रजिस्ट्री बैनामा निष्पादित किया है आवेदक द्वारा उक्त बैनामा के आधार पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 23.10.2021 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 08.10.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट — पक्षकार का नाम: श्री साकेत आर मिश्रा — ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202110100400160, अ-2/2021-22

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री साकेत आर. मिश्रा आ. श्री राजेन्द्र मिश्रा निवासी गंजपारा दुर्ग तह. व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम पुलगांव प.ह.न. 25 तह. व जिला दुर्ग	249/25	0.022 हें 2400 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई दावा/ आपत्ति हो तो प्रकरण उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 07.10.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट — पक्षकार का नाम: श्रीमती शकुंतला पटेल — ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202109100400088, अ-2/2021-22

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती शकुन्तला पटेल पति श्री जे.एल. पटेल निवासी शिवपारा दुर्ग तह. व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम बघेरा प.ह.न. 07 तह. व जिला दुर्ग	321/10	0.012 हें 1375 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई दावा/ आपत्ति हो तो प्रकरण उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 06.09.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मंजू दुबे पति स्व. गुलाबचंद दुबे अन्य-1 निवासी ग्राम ब्राम्हण पारा दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कसारीडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 202/2 रकबा 0.029 हे. भूमि जो कि आवेदक/शामिलात सखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार गुलाबचंद दुबे की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 11.11.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 20.10.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक योगेन्द्र सिंह ठाकुर पिता स्व. राजेन्द्र सिंह ठाकुर निवासी ग्राम कसारीडीह दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कसारीडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 763/43 रकबा 0.016 हे. भूमि जो कि आवेदक/शामिलात सखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार राजेन्द्र सिंह ठाकुर की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 29.10.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 12.10.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती अंबिका चंद्राकर पति स्व. परमेश्वर चंद्राकर निवासी ग्राम मैत्रीकुंज रिसाली तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम रिसाली तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 25/29 रकबा 0.020 हे. भूमि जो कि आवेदक/शामिलात सखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार परमेश्वर लाल चंद्राकर की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 11.11.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 21.10.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

पंजी. 202110100400289

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक द्वारिका प्रसाद साहू आ. खेदूराम साहू निवासी उरला तह. व जिला दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम उरला प.ह.न. 17/7 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 559/41 रकबा 0.011 हें/ 1140 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 18.10.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यूज गैलरी

कवर्धा तनाव भाजपा की साजिश

रायपुर/नवप्रदेश। कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कवर्धा सांप्रदायिक तनाव मामले में बीजेपी नेता विजय शर्मा के आत्मसमर्पण को आत्मग्लानि का नतीजा बताया। उन्होंने कहा कि कवर्धा में उनके और अन्य नेताओं के सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के कृत्य से कवर्धा का माहौल खराब हुआ। शांति और अमन की नगरी कवर्धा भाजपा के षड़यंत्र के चलते बदनाम हुई। शहर में तोड़फोड़ हुआ। व्यापार का नुकसान हुआ। संभवतः पाप बोध से भरे विजय शर्मा ने आत्मग्लानि के कारण अपने चार अन्य साथियों के साथ आत्मसमर्पण किया। कांग्रेस पहले दिन से कह रही थी कि कवर्धा में भारतीय जनता पार्टी ने सुनियोजित तरीके से दंगा भड़काया था। भाजपा के 5 पदाधिकारियों के समर्पण से यह साबित हो गया कि कांग्रेस के आरोप सही थी। दुर्ग के आईजी ने भी खुलासा किया था कि भाजपा ने कवर्धा के बाहर से भाजपा आरएसएस संघ के कार्यकर्ताओं को बुला कर माहौल को खराब करने का काम किया था।

वालफोर्ट हाइट्स फेज टू की लॉन्चिंग में अब तक 250 से अधिक बुकिंग

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की सबसे प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कम्पनी वॉलफ़ोर्ट ग्रुप के नए प्रोजेक्ट वॉलफ़ोर्ट हाइट्स फेज़-2 की लांचिंग के दूसरे दिन भी लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। कंपनी के डायरेक्टर पंकज लाहोटी ने कहा कि इस प्रोजेक्ट में अब तक 250 से अधिक बुकिंग हो चुकी है। यह हमारे ग्रुप के लिए बहुत ही खुशी की बात है। मल्टीस्टोरी फ्लैट्स वो भी सारी सुविधाओं के साथ मिलने वाला यह एक अनोखा प्रोजेक्ट है, जिसमें 100 से अधिक एमेनिटीज़ लोगों को बजट में मिल रहे हैं। कंपनी के डायरेक्टर अर्पित पारख ने बताया कि फेस्टिव सीज़न में आप यहाँ बुकिंग कर अपने परिवार को सबसे बढ़िया गिफ्ट दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि करवा चौथ के व्रत में अपने लाइफ पार्टनर को एक सर्वसुविधायुक्त फ्लैट वो भी 100 से अधिक सुविधाओं के साथ देने का यह एक सबसे सुनहरा अवसर है। उसमें भी सबसे अच्छी बात यह है कि लांचिंग उत्सव में बुकिंग कराने पर करीब 2.5 लाख रुपए का फायदा मिल रहा है। वॉलफोर्ट हाइट्स के दूसरे दिन भी लोगों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। पोडियम गार्डन, स्वीमिंग पूल, क्लब हाउस, जिम, क्रिक्रेट ग्राउंड जैसी बेहतरीन सुविधाएं देखकर हर कोई कह रहा है कि सबकुछ यहीं है, वालफोर्ट हाइट सही है।

व्याख्याता, शिक्षक और सहायक शिक्षक के 7 हजार 188 पदों पर अब तक नियुक्ति

रायपुर/नवप्रदेश। स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा सत्र 2019 में 14 हजार 580 शिक्षकों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर व्यापम द्वारा परीक्षा आयोजित की गई थी। चयन प्रक्रिया कोरोना महामारी के कारण प्रभावित हुई थी, कोविड महामारी की विषम परिस्थितियों के बावजूद भी अब तक व्याख्याता, शिक्षक और सहायक शिक्षक के कुल 7 हजार 188 पदों में नियुक्ति आदेश जारी किया जा चुका है। स्कूल शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार व्याख्याता के विज्ञापित 3 हजार 177 पद में से 2 हजार 894 पदों में नियुक्ति आदेश जारी किया जा चुका है। इसी तरह शिक्षक के 5 हजार 897 विज्ञापित पद में से 2 हजार 110 पदों में नियुक्ति आदेश जारी किया जा चुका है साथ ही सहायक शिक्षकों के विज्ञापित पद 5 हजार 506 पद में से 2 हजार 184 पदों में नियुक्ति आदेश जारी किया जा चुका है। ज्ञात हो कि माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर में दायर याचिका में स्थगन आदेश प्रभावशील होने के कारण बस्तर, सरगुजा संभाग के जिले और कोरबा जिले को मिलाकर कुल 14 जिलों में सहायक शिक्षक और शिक्षक के पदों में नियुक्ति आदेश जारी नहीं किया गया है। एक अन्य याचिका में सम्पूर्ण भर्ती प्रक्रिया में रोक लगाए जाने के आदेश प्रभावशील होने के कारण शेष पदों पर चयनवार नियुक्ति आदेश जारी नहीं किया गया है। माननीय उच्च न्यायालय में शासन के द्वारा अपना पक्ष रखा गया है। भर्ती प्रक्रिया संबंधित याचिकाओं में अनुमति प्राप्त होने पर नियुक्ति संबंधी आगामी कार्यवाही की जा सकेगी।

ई-मेगा लीगल सर्विस कैम्प का आयोजन आज

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के प्रमुख न्यायाधीश तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रमुख संरक्षक न्यायमूर्ति श्री अरूप कुमार गोस्वामी 24 अक्टूबर रविवार को सुबह 10.30 बजे राज्य के सभी 23 सिविल डिस्ट्रीक में होने वाले ई-मेगा लीगल सर्विस कैम्प का वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री गौतम भण्डारे करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री संजय के. अग्रवाल तथा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री संजय एस. अग्रवाल रहेंगे। यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और आउटरीच प्रोग्राम के तत्वाधान में किया जा रहा है। यह आयोजन न्यायालय परिसर, रायपुर में सुबह 10.30 बजे से होगा। इस आयोजन में जिला एवं सत्र न्यायाधीश रायपुर श्री अरविन्द कुमार वर्मा, कलेक्टर श्री सौरभ कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल भी शामिल होंगे। इस अवसर पर विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी।

इंस्पायर अवार्ड के लिए अब तक 53 हजार से अधिक प्रतिभागियों का पंजीयन

रायपुर/नवप्रदेश। विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रूचि और रूझान बढ़ाने, उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तर्क क्षमता का विकास करने नन्हें बाल वैज्ञानिकों को अवसर प्रदान करने के लिए इंस्पायर अवार्ड मानक योजना संचालित है। छत्तीसगढ़ राज्य के 14 हजार 520 विद्यालयों के पूर्व माध्यमिक और हाई स्कूल स्तर की कक्षा 6वीं से 10वीं तक के होनहार बालक-बालिकाओं से सत्र 2021-22 में इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के तहत ऑनलाईन पंजीयन कराया जा रहा है। आयुक्त लोक शिक्षण डॉ. कमलप्रीत सिंह ने शिक्षा सत्र 2021-22 में राज्य के सभी पूर्व माध्यमिक विद्यालयों और हाई स्कूल के कक्षा 6वीं से 10वीं तक के विद्यार्थियों की अधिक से अधिक संख्या में इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में शामिल करने के लिए 70 हजार प्रतिभागियों के नामांकन का लक्ष्य दिया है। लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 53 हजार 398 प्रतिभागियों का पंजीयन हो चुका है। डॉ. कमलप्रीत सिंह ने बताया कि इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के तहत भारत सरकार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग नई दिल्ली और नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान भारत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान (एनआईएफ) के द्वारा संचालित है। इसमें राज्य के सभी विद्यालयों से कक्षा छठवीं से दसवीं तक के विद्यार्थी शामिल हो सकते हैं।

सरगुजा से लेकर बस्तर तक आदिवासी संस्कृतियों की दिखेगी झलक

28 से 30 अक्टूबर तक होगा राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। नृत्य वह संगम है। नृत्य वह सरगम है। जिसमें न सिर्फ सुर और ताल का लय समाया है, अपितु जीवन की वह सच्चाई भी समाई हुई है जो हमें अपने उत्साह और खुशियों के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देती हैं। नृत्य मुद्राओं, भाव-भंगिमाओं और भावनाओं, रूप-सौंदर्य के साथ खुशियों की वह अभिव्यक्ति भी है जो नृत्य करने वालों से लेकर इसे देखने वालों के अंतर्मन में उतरकर उन्हें इस तरह झूमने को मजबूर कर देता है कि शरीर का रोम-रोम ही नहीं सारे अंग झूम उठते हैं।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति

छत्तीसगढ़ की भी अपनी अलग संस्कृति और पहचान है। सरगुजा से लेकर बस्तर तक वहाँ की प्रकृति में समाई नदी-नालों, झरनों,जलप्रपातों की अविरल बहती धाराओं की कलकल, झरझर की गूंज हो या बारिश में टिप-टिप गिरती पानी की बूंदे या उफान में रौद्र बहती नदियों की धारा, शांत जंगल में पंछियों का कलरव हो या छोटी-छोटी चिड़ियों की चहचहाहट, पर्वतों, घने जंगलों से आती सरसराती हवाएं हो या फिर वन्य जीवों की खौफ़नाक आवाजें, भौरों की गुँजन, कीड़े-मकौड़े, झींगुरों की आवाज़ से लेकर पेड़ो से गिरते हुए पत्तों और जरा सी हवा चलने पर दूर-दूर सरकते सूखे पत्तों की सरसराहट सहित कई ऐसी धुने हैं जो सरगुजा से लेकर बस्तर के बीच जंगलों में नैसर्गिक और खूबसूरत दृश्यों के साथ समाई है।

भले ही हम इन प्रकृति और प्रकृति के बीच से उठती धुनों की भाषाओं को समझ नहीं पाते, लेकिन इनके बीच कुछ पल वक्त गुजारने से ऐसा महसूस होता है कि जंगलों, नदी, पर्वतों, वन्य जीवों की भी सुख-दुख से जुड़ी अनगिनत कहानियां है जो अपनी भाषाओं, अपनी शैलियों में गीत गाते हैं, नृत्य करते हैं और इनका यह गीत और नृत्य इनके आसपास रहने वाले जनजातियों की संस्कृति में घुल-मिलकर वाद्य यंत्रों के सहारे हमें नृत्य के साथ देखने और समझने को मिलता है।

छत्तीसगढ़ की जनजातियाँ

छत्तीसगढ़ की संस्कृति का दर्शन कराने के साथ हमें जीवन की कई चुनौतियों से लड़ने और खुशी के अलावा विषम परिस्थितियों में भी जीवन यापन करने की प्रेरणा और संदेश देने वाले आदिवासी समाज के नृत्य, संगीत और गीत से एक बार फिर राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के माध्यम से देशभर के लोगों को जुड़ने का मौका मिलेगा। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राजधानी रायपुर में एक बार फिर 28 से 30 अक्टूबर तक राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन साइंस कालेज मैदान में किया जा रहा है। महोत्सव की तैयारियां शुरू हो चुकी है।

इस महोत्सव में देशभर के अलग-अलग राज्यों से कलाकार जनजाति समाज सहित अन्य परिवेश के नृत्यों की रंगारंग प्रस्तुतियां देंगे। संस्कृति की ही अभिव्यक्ति व संवाहक छत्तीसगढ़ का नृत्य वास्तव में बहुत प्राचीन और समृद्धशाली होते हुए लोक कथाओं से जुड़ी है।

जोकि मनोरंजन मात्र के लिए नहीं है। इन नृत्यों में आस्था, विश्वास और धार्मिक कथाओं का संगम भी है। आदिवासी समाज द्वारा अपने विशिष्ट प्रकार के नृत्यों का अभ्यास कर विभिन्न अवसरों पर जैसे- ऋतुओं के स्वागत, परिवार में बच्चे के जन्म, विवाह सहित अन्य बहुत से पर्व को उल्लास के साथ मनाने के लिए गीत गाये जाते हैं और नृत्यों का प्रदर्शन किया जाता है।

कोविड वायरस परिवार में छह सदस्य, मौसम-वातावरण के अनुरूप हो रहे बदलाव

- **रिकार्ड समय में लैब तैयार करने, वैक्सीनेशन और कोविन एप से भारत अब सुरक्षित देशों की श्रेणी में**

देशभर के माइक्रोबायोलॉजिस्ट ने कोविड वायरस पर किया मंथन, उत्पत्ति की संभावनाओं पर विमर्श

रायपुर/नवप्रदश। कोविड वायरस की उत्पत्ति और इसमें हो रहे बदलावों पर देशभर के प्रमुख माइक्रोबॉयोलॉजिस्ट ने शनिवार को हाइब्रिड मोड में आयोजित सीएमई के दौरान विमर्श किया। इस अवसर पर वायरस के फैलने, इसकी रोकथाम के लिए वैक्सीन विकसित करने और कोविन एप से वैक्सीनेशन की प्रक्रिया को आसान बनाने के अनुभव साझा किए गए। इस अवसर पर विशेषज्ञों ने बताया कि कोविड वायरस परिवार के छह सदस्य हैं जिनमें मौसम और वातावरण के अनुरूप बदलाव हो रहा है। अतः कोविड संबंधी सुरक्षा उपायों को अभी भी अपनाए जाने की आवश्यकता है।

'कोविड-19-ह्यूमन रिजिलिएंस, इनोवेशन एंड होप' विषयक सीएमई में देश के प्रमुख न्यूरोवायरोलॉजी चिकित्सक डॉ. वी. रवि, निम्हांस, बंगलौर ने कोविड वायरस की उत्पत्ति के बारे में चल रही अवधारणों के बारे में विस्तार से बताया।

उनका कहना था कि कोविड वायरस पूर्व से मौजूद रहा है जिससे सर्दी और कफकी समस्या पूर्व में भी रही है। अब यह जानवरों से मानव में आया या लैब में इसका विकास किया गया, इस विषय पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जांच जारी है। उन्होंने कहा कि कोविड वायरस के साथ जीना सीखना होगा। उन्होंने विभिन्न प्रकार के कोविड वायरस के बारे में भी विस्तार से बताया।

देश की प्रमुख वायरोलॉजी लैब एनआईवी, पुणे की निदेशक डॉ. प्रिया अब्राहम का कहना था कि देश में पहला कोविड सैंपल उनकी टीम ने जांच के बाद पॉजीटिव पाया था। उसके बाद से अब तक देशभर में वायरोलॉजी लैब की चैन बनाने, इसके जांच और इलाज की सुविधाएं प्रदान करने और कोविन एप की मदद से वैक्सीनेशन को आसान बनाने की कोशिश की गई।

उन्होंने कोविड के बीटा, गामा और डेल्टा वेरीएंट के बारे में भी चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि कोविड परिवार के छह सदस्य हैं जो मौसम और वातावरण के अनुरूप स्वयं को बदल रहे हैं।

निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने कहा कि दो वर्ष बाद अब कोविड पर नियंत्रण से जीवन सामान्य होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसमें केंद्र सरकार, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, आईसीएमआर और राज्य सरकारों की भूमिका भी अहम रही। सभी के संयुक्त प्रयासों से सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कोविड से पूर्व एम्स की वीआरडी लैब विकास के प्रथम चरण में थी मगर माइक्रोबायोलॉजी के चिकित्सकों ने दिन-रात मेहनत कर कोविड की लहर आने से पूर्व इसे कार्यात्मक बना दिया। अभी तक एम्स में तीन लाख से अधिक सैंपल टेस्ट हो चुके हैं। इससे पूर्व माइक्रोबायोलॉजी की विभागाध्यक्ष और सीएमई आयोजक प्रो. अनुदिता भार्गव ने सभी चिकित्सकों का स्वागत करते हुए सीएमई को कोविड-19 के विकास और रोकथाम के पुनर्वालोकन के लिए आवश्यक बताया।

धन्वंतरी मेडिकल खुलने से गरीबों को मिलेगी सुविधा

- **सरकार की इस पहल से आम जनता को मिल रही राहत**
- **शुगर की 70 रूपए की दवाई 26 रूपए और ब्लड प्रेशर की दवाई 41 रुपए में**

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर शहर में दो धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स के माध्यम से जनसामान्य को ब्रांडेड कंपनी की गुणवत्तायुक्त जेनरिक दवाईयां उपलब्ध कराई जा रही है। गत 20 अक्टूबर को मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों में धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही इन मेडिकल स्टोर्स के माध्यम से अब गरीब एवं जरूरतमंद लोगो को सस्ती दवा मिलने से इसका फायदा मिलने लगा है।

रायपुर शहर के निवासी श्री संतोष हियाल और शेख नवाज ने बताया कि उन्होंने आज सुभाष स्टेडियम स्थित धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स से 70 रूपए में मिलने वाली दवाई मात्र 26 रुपए में और ब्लड प्रेशर की दवाई 41 रुपए में ली।

इसी तरह रमाकांत साहू और श्री अशोक दीवान ने ब्लड प्रेशर और थाइराइड की दवाई बाजार में अन्य मेडिकल स्टोर्स से मिलने वाले कीमत से आधे कीमत पर खरीदा। उन्होंने बताया कि ऐसे में कम कीमत में दवाईयां मिलने पर सभी वर्ग के लोगों को राहत मिलेगी।

इससे पैसे की कमी से दवाई नही खरीद पाने वाले गरीब लोगों को अब परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा, इससे आम जनता को बहुत लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि रायपुर सुभाष स्टेडियम और अमलीडीह में दो धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स संचालित किया जा रहा है। इन दुकानो से मरीजों के लिए लगभग आधी कीमत पर लोगों को जेनरिक दवाईयां उपलब्ध करायी जा रही है।

कवर्धा मामले का आरोपी विजय शर्मा को किया गया सेंट्रल जेल शिफ़्ट

- **विपक्ष के आवाज को दबाने का लगा आरोप**

रायपुर/नवप्रदेश। कवर्धा मामले के आरोपी भाजपा के प्रदेश मंत्री विजय शर्मा को देर रात कवर्धा से रायपुर सेंट्रल जेल शिफ्ट किया गया है। जिसे लेकर भाजपा और हिन्दू संगठन ने राज्य सरकार पर विपक्ष के आवाज को दबाने का आरोप लगाया है । कवर्धा मामले में भाजपा प्रदेश मंत्री विजय शर्मा ने शुक्रवार को ही कवर्धा में सरेंडर किया था। जिसके बाद देर रात करीब 2 बजे रायपुर सेंट्रल जेल शिफ्ट किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं को जैसे इसकी सूचना मिली तो कार्यकर्ता रायपुर सेन्ट्रल जेल के सामने रात में ही इकट्ठे हो कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और विजय शर्मा के समर्थन में भी नारे लगाए।

भाजपा प्रवक्ता अनुराग अग्रवाल ने कहा कि आखिर किस उद्देश्य से भाजपा नेता को देर रात 1 बजे कवर्धा से रायपुर सेंट्रल जेल लाया गया,ये समझ से परे है। जबकि शनिवार को ही कवर्धा न्यायलय में पेशी थी। अनुराग ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए भाजपा नेताओं के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार कर रही है, जो किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं होगा। सूत्रों के अनुसार विजय शर्मा की जमानत याचिका आज कोर्ट में दाखिल की गई है। जिस पर अदालत सुनवाई करेगी। माना जा रहा है कि सोमवार को विजय शर्मा को जमानत मिल सकती है। अब सभी की नजर कोर्ट की सुनवाई पर टिकी हुई है।

कफन ओढ़कर सड़क पर लेट गए कोरोना योद्धा, रोती रही महिलाएं

- **किया अनोखा प्रदर्शन, 63 से कर रहे हड़ताल**

रायपुर/नवप्रदेश। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस जब पूरी दुनिया को चपेट में ले रखा था तब कोरोना के फ्रंट लाइन वारियर्स हर दिन अपनी जान हथेली पर रख इस वायरस से लड़ रहे हैं। कुछ ने तो अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए इस युद्ध में जान तक न्योछावर कर दी है। लेकिन जैसे ही वायरस की रफ्तार कम होने लगी वैसे ही उन्हें नौकरी से निकाल दिया। इस बात से गुस्साए फ्रंट लाइन वारियर्स 63 दिनों से हड़ताल पर डटे है। इसी कड़ी में उनका अनोखा प्रदर्शन देखने को मिला।

दरअसल, छत्तीसगढ़ में कोविड केंद्रों से निकाले गए स्वास्थ्य कर्मियों ने शनिवार सुबह से ही अनोखे तरीकों (Unique Performance) से विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। उनका प्रदर्शन चर्चा का विषय बना। कोरोना योद्धाओं ने सुबह 5 बजे कफन ओढ़कर लाश की तरह सड़क पर लेटे प्रदर्शन किया। लाश के पास बैठी युवतियां माथा पीटकर रो रही थीं। वे अपनी बदहाली के जिम्मेदारों को कोस रही थीं और रोजगार की मांग कर रही थीं। ये प्रदर्शन करीब 3 घंटे तक बूढ़ापारा की सड़क पर जारी रहा।

पुलिस टीम ने किया 30 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार

कर्मचारियों के इस प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंच गई। प्रदर्शनकारियों से पुलिस अफसरों ने कहा कि वो सड़क को जाम न करें। पुलिस अधिकारियों ने समझाइश दी कि अपना विरोध प्रदर्शन बंद करके रास्ता खाली कर दें। ये प्रदर्शन अलसुबह होने के कारण ज्यादा जाम नहीं रहा, लेकिन पुलिस उनके प्रति सख्य रहे। बीच सड़क से हटने को कोरोना वॉरियर्स राजी नहीं हुए और इसके चलते उनकी पुलिस से अच्छी-खासी बहस हो गई। ना मानने की स्थिति में पुलिस की टीम ने 30 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। अब इन्हें सेंट्रल जेल ले जाया गया है।

बता दें कि सेवा वृद्धि की मांग को लेकर पिछले 60 दिनों से अधिक समय से आंदोलन कर रहे आंदोलनकारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

हुक्का बार | सीएम के निर्देश के बाद एक्शन में आई रायपुर पुलिस, देर रात हुक्का बार में मारे ताबड़तोड़ छापे, मचा हड़कंप

वीआईपी रोड का इलाका बन गया हुक्का हब, सख्त कानून की जरूरत

रायपुर/नवप्रदेश। भूपेश बघेल ने आईजी-एसपी कांफ्रेंस में हुक्के को लेकर कड़े तेवर दिखाने कहा। उन्होंने राजधानी समेत पूरे प्रदेश में इसे बंद करने का निर्देश दिया। कांफ्रेंस खत्म होते ही देर रात पुलिस हरकत में आ गई। हुक्का कारोबारियों पर सख्त कार्रवाई करते हुए बंद कराने के अभियान में जुट गई।

राजधानी रायपुर के तेलीबांधा वीआईपीरोड और खम्हारडीह क्षेत्र में तकरीबन आधा दर्जन कैफे और रेस्टोरेंट में पुलिस ने ताबड़तोड़ छापेमारी की है। जिसमें से 4 स्थानों में बड़ी संख्या में युवक-युवती हुक्का पीते मिले। इन स्थानों से पुलिस ने तकरीबन तीन दर्जन से ज़्यादा हुक्का पॉट भी जब्त किए है।

मिली जानकारी के मुताबिक हाफ एंड हाफ कैफे, वाइट अर्थ कैफे, मिनिस्ट्री कैफे, स्काई लॉन्च और एसडी कैफे में पुलिस ने दबिश देकर बड़ी संख्या में हुक्का जप्त किया है। यहां खुलेआम हुक्का पार्टी के लिए नौजवान लड़के लड़कियां पहुंची थी और देर रात तक रहती थी। हुक्का पीने वाले इन लड़के और लड़कियों को भी पुलिस ने सख्ती के साथ फटकार लगाई है। साथ ही उनसे उनके परिजनों के मोबाइल नंबर, पता भी पुलिस ने कलेक्ट किया है।

रायपुर पुलिस को सीएम से मिली शाबाशी

इधर रायपुर पुलिस की इस ताबड़तोड़ छापेमारी से प्रदेश का मुखिया खुश होकर पुलिस टीम की पीठ भी थपथपाई है। रायपुर पुलिस ने इस कार्यवाही की जानकारी ट्वीटर पर तस्वीरों के साथ साझा की। इस पर सीएम भूपेश बघेल ने इसे री-ट्वीट करते हुए 'वेल डन' लिखा है।

वीआईपी रोड बना हुक्का हब

राजधानी में वीआईपी रोड और उसके आसपास का क्षेत्र हुक्के का हब बन गया है। वीआईपी के राम मंदिर से लेकर माना एयरपोर्ट तक करीब 50 से ज्यादा हुक्का बार हैं। देर रात से युवक-युवतियों का आना-जाना लगा रहता है। हालांकि राजधानी में पिछले 2 वर्षों में पुलिस एक दर्जन से अधिक हुक्का बार पर छापे मार चुकी है लेकिन एक-दो दिन सील रहने के बाद कारोबारी मामूली जुर्माने देकर वापस फिर से खोल लेते थे। पुलिस भी कई बार छापे मार चुकी, बावजूद एक भी हुक्का बार बंद नहीं हुआ है। पुलिस की माने तो, हुक्का बार रोकने में नियम-कायदे लचीला होने के कारण कारोबारी चंद ही दिनों में ही दुबारा खोल लेता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हुक्का बार बंद करने के लिए सख्त कानून की जरूरत है।

क्या होता कोटपा-2003 एक्ट और क्या जुर्माना

हुक्का बार में छापे के बाद पुलिस कोटपा-2003 एक्ट के तहत जुर्माना करती है या मामला कोर्ट में पेश कर देती है। आरोपी थोड़े जुर्माने के बाद छूट जाते हैं। कई बार तो हुक्का बार वालों को थाने से ही छोड़ना पड़ रहा है। इसलिए सख्ती नहीं हो पा रही है। शहर में अधिकांश हुक्का बार गुमाश्ता लाइसेंस से चल रहे है।

फ्लेवर वाले हुक्का नारकोटिक्स एक्ट में नहीं आते, क्योंकि उसमें तंबाखू नहीं होती, इसलिए कार्रवाई तगड़ी नहीं हो पा रही है। सार्वजनिक स्थल जैसे होटल, रेस्तरा, कैफे, शैक्षणिक संस्थान समेत निजी व सरकारी कार्यालयों पर धूम्रपान प्रतिबंधित है। जो धूम्रपान करते पाए जाते हैं, उनपर कोटपा एक्ट-2003 की धारा 4 व 6 के उल्लंघन के तहत मौके पर जुर्माना किया जाता है। हुक्के में यही कार्रवाई होती है। जुर्माना अधिकतम 200 रुपए है।

पति की लंबी उम्र का व्रत करवाचौथ

करवाचौथ' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है, 'करवा' यानी 'मिट्टी का बरतन' और 'चौथ' यानि 'चतुर्थी'। इस त्योहार पर मिट्टी के बरतन यानी करवे का विशेष महत्व माना गया है। सभी विवाहित स्त्रियां साल भर इस त्योहार का इंतजार करती हैं और इसकी सभी विधियों को बड़े श्रद्धा-भाव से पूरा करती हैं। करवाचौथ का त्योहार पति-पत्नी के मजबूत रिश्ते, प्यार और विश्वास का प्रतीक है।

करवाचौथ की कथा

एक बार पांडु पुत्र अर्जुन तपस्या करने नीलगिरी नामक पर्वत पर गए। इधर द्रोपदी बहुत परेशान थीं। उनकी कोई खबर न मिलने पर उन्होंने कृष्ण भगवान का ध्यान किया और अपनी चिंता व्यक्त की। कृष्ण भगवान ने कहा- बहना, इसी तरह का प्रश्न एक बार माता पार्वती ने शंकरजी से किया था। पूजन कर चंद्रमा को अर्घ्य देकर फिर भोजन ग्रहण किया जाता है। सोने, चाँदी या मिट्टी के करवे का आपस में आदान-प्रदान किया जाता है, जो आपसी प्रेम-भाव को बढ़ाता है। पूजन करने के बाद महिलाएँ अपने सास-ससुर एवं बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लेती हैं। तब शंकरजी ने माता पार्वती को करवा चौथ का व्रत बतलाया। इस व्रत को करने से स्त्रियाँ अपने सुहाग की रक्षा हर आने वाले संकट से वैसे ही कर सकती हैं जैसे एक ब्राह्मण ने की थी। प्राचीनकाल में एक ब्राह्मण था। उसके चार लड़के एवं एक गुणवती लड़की थी। एक बार लड़की मायके में थी, तब करवा चौथ का व्रत पड़ा। उसने व्रत को विधिपूर्वक किया। पूरे दिन निर्जला रही। कुछ खाया-पीया नहीं, पर उसके चारों भाई परेशान थे कि बहन को प्यास लगी होगी, भूख लगी होगी, पर बहन चंद्रोदय के बाद ही जल ग्रहण करेगी।

भाइयों से न रहा गया, उन्होंने शाम होते ही बहन को बनावटी चंद्रोदय दिखा दिया। एक भाई पीपल की पेड़ पर छलनी लेकर चढ़ गया और दीपक जलाकर छलनी से रोशनी उत्पन्न कर दी। तभी दूसरे भाई ने नीचे से बहन को आवाज दी- देखो बहन, चंद्रमा निकल आया है, पूजन कर भोजन ग्रहण करो।

प्रथम कथा

बहुत समय पहले की बात है, एक साहूकार के सात बेटे और उनकी एक बहन करवा थी। सभी सातों भाई अपनी बहन से बहुत प्यार करते थे। यहाँ तक कि वे पहले उसे खाना खिलाते और बाद में स्वयं खाते थे। एक बार उनकी बहन ससुराल से मायके आई हुई थी। शाम को भाई जब अपना व्यापार-व्यवसाय बंद कर घर आए तो देखा उनकी बहन बहुत व्याकुल थी। सभी भाई खाना खाने बैठे और अपनी बहन से भी खाने का आग्रह करने लगे, लेकिन बहन ने बताया कि उसका आज करवा चौथ का निर्जल व्रत है और वह खाना सिर्फचंद्रमा को देखकर उसे अर्ध्य देकर ही खा सकती है। चूँकि चंद्रमा अभी तक नहीं निकला है, इसलिए वह भूख-प्यास से व्याकुल हो उठी है। सबसे छोटे भाई को अपनी बहन की हालत देखी नहीं जाती और वह दूर पीपल के पेड़ पर एक दीपक जलाकर चलनी की ओट में रख देता है। दूर से देखने पर वह ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे चतुर्थी का चाँद उदित हो रहा हो। इसके बाद भाई अपनी बहन को बताता है कि चाँद निकल आया है, तुम उसे अर्घ्य देने के बाद भोजन कर सकती हो। बहन खुशी के मारे सीढ़ियों पर चढ़कर चाँद को देखती है, उसे अर्ध्य देकर खाना खाने बैठ जाती है।

वह पहला टुकड़ा मुँह में डालती है तो उसे छींक आ जाती है। दूसरा टुकड़ा डालती है तो उसमें बाल निकल आता है और जैसे ही तीसरा टुकड़ा मुँह में डालने की कोशिश करती है तो उसके पति की मृत्यु का समाचार उसे मिलता है। वह बौखला जाती है। उसकी भाभी उसे सच्चाई से अवगत कराती है कि उसके साथ ऐसा क्यों हुआ। करवा चौथ का व्रत गलत तरीके से टूटने के कारण देवता उससे नाराज

हो गए हैं और उन्होंने ऐसा किया है। सच्चाई जानने के बाद करवा निश्चय करती है कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार नहीं होने देगी और अपने सतीत्व से उन्हें पुनर्जीवन दिलाकर रहेगी। वह पूरे एक साल तक अपने पति के शव के पास बैठी रहती है। उसकी देखभाल करती है। उसके ऊपर उगने वाली सूईनुमा घास को वह एकत्रित करती जाती है। एक साल बाद फिर करवा चौथ का दिन आता है। उसकी सभी भाभियाँ करवा चौथ का व्रत रखती हैं। जब भाभियाँ उससे आशीर्वाद लेने आती हैं तो वह प्रत्येक भाभी से 'यम सूई ले लो, पिय सूई दे दो, मुझे भी अपनी जैसी सुहागिन बना दो' ऐसा आग्रह करती है, लेकिन हर बार भाभी उसे अगली भाभी से आग्रह करने का कह चली जाती है।

इस प्रकार जब छठे नंबर की भाभी आती है तो करवा उससे भी यही बात दोहराती है। यह भाभी उसे बताती है कि चूँकि सबसे छोटे भाई की वजह से उसका व्रत टूटा था अतः उसकी पत्नी में ही शक्ति है कि वह तुम्हारे पति को दोबारा जीवित कर सकती है, इसलिए जब वह आए तो तुम उसे पकड़ लेना और जब तक वह तुम्हारे पति को जिंदा न कर दे, उसे नहीं छोड़ना। ऐसा कह के वह चली जाती है। सबसे अंत में छोटी भाभी आती है। करवा उनसे भी सुहागिन बनने का आग्रह करती है, लेकिन वह टालमटोली करने लगती है।

करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश और राजस्थान में मनाया जाने वाला पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह पर्व सौभाग्यवती (सुहागिन) स्त्रियाँ मनाती हैं। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चंद्रमा दर्शन के बाद संपूर्ण होता है।

ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलाओं तक सभी नारियाँ करवाचौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं। शास्त्रों के अनुसार यह व्रत कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की चन्द्रोदय व्यापिनी चतुर्थी के दिन करना चाहिए। पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की अर्चना की जाती है। करवाचौथ में भी संकष्टीगणेश चतुर्थी की तरह दिन भर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्घ्य देने के उपरांत ही भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में करवाचौथ व्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं।

कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करकचतुर्थी (करवा-चौथ) व्रत करने का विधान है। इस व्रत की विशेषता यह है कि केवल सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। स्त्री किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की हो, सबको इस व्रत को करने का अधिकार है। जो सौभाग्यवती (सुहागिन) स्त्रियाँ अपने पति की आयु,

कृष्ण पक्ष की चतुर्थी का व्रत

स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे यह व्रत रखती हैं। यह व्रत 12 वर्ष तक अथवा 16 वर्ष तक लगातार हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन (उपसंहार) किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियाँ आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समान सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। अतः सुहागिन स्त्रियाँ अपने सुहाग की रक्षार्थ इस व्रत का सतत पालन करें।

भारत देश में वैसे तो चौथ माता जी के कही मंदिर स्थित है, लेकिन सबसे प्राचीन एवं सबसे अधिक ख्याति प्राप्त मंदिर राजस्थान राज्य के सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा गाँव में स्थित है। चौथ माता के नाम पर इस गाँव का नाम बरवाड़ा से चौथ का बरवाड़ा पड़ गया। चौथ माता मंदिर की स्थापना महाराजा भीमसिंह चौहान ने की थी। इस व्रत में भगवान शिव शंकर, माता पार्वती, कार्तिकेय, गणेश और चंद्र देवता की पूजा-अर्चना करने का विधान है। करवाचौथ की कथा सुनने से विवाहित महिलाओं का सुहाग बना रहता है, उनके घर में सुख, शान्ति,समृद्धि और सन्तान सुख मिलता है। महाभारत में भी करवाचौथ के महात्म्य पर एक कथा का उल्लेख मिलता है।

भगवान श्री कृष्ण ने द्रौपदी को करवाचौथ की यह कथा सुनाते हुए कहा था कि पूर्ण श्रद्धा और विधि-पूर्वक इस व्रत को करने से समस्त दुख दूर हो जाते हैं और जीवन में सुख-सौभाग्य तथा धन-धान्य की प्राप्ति होने लगती है। श्री कृष्ण भगवान की आज्ञा मानकर द्रौपदी ने भी करवा-चौथ का व्रत रखा था। इस व्रत के प्रभाव से ही अर्जुन सहित पांचों पांडवों ने महाभारत के युद्ध में कौरवों की सेना को पराजित कर विजय हासिल की।

करवा का पूजन

करवा चौथ के पूजन में धातु के करवे का पूजन श्रेष्ठ माना गया है। यथास्थिति अनुपलब्धता में मिट्टी के करवे से भी पूजन का विधान है। ग्रामीण अंचल में ऐसी मान्यता है कि करवा चौथ के पूजन के दौरान ही सजे-धजे करवे की टोंटी से ही जाड़ा निकलता है। करवा चौथ के बाद पहले तो रातों में धीरे-धीरे वातावरण में ठंड बढ़ जाती है और दीपावली आते-आते दिन में भी ठंड बढ़नी शुरू हो जाती है।

करवा चौथ व्रत विधान

व्रत रखने वाली स्त्री सुबह नित्यकर्मों से निवृत्त होकर, स्नान एवं संध्या आदि करके, आचमन के बाद संकल्प लेकर यह कहे कि मैं अपने सौभाग्य एवं पुत्र-पौत्रादि तथा निश्चल संपत्ति की प्राप्ति के लिए करवा चौथ का व्रत करूंगी। यह व्रत निराहार ही नहीं, अपितु निर्जला के रूप में करना अधिक फलप्रद माना जाता है। इस व्रत में शिव-पार्वती, कार्तिकेय और गौरा का पूजन करने का विधान है।

मेहंदी सौभाग्य की निशानी मानी जाती है। भारत में ऐसी मान्यता है कि जिस लड़की के हाथों की मेहंदी ज्यादा गहरी रचती है, उसे अपने पति तथा ससुराल से अधिक प्रेम मिलता है। लोग ऐसा भी मानते हैं कि गहरी रची मेहंदी आपके पति की लंबी उम्र तथा अच्छा स्वास्थ्य भी दर्शाती है। मेहंदी का व्यवसाय त्योहारों के मौसम में सबसे ज्यादा फलता-फूलता है।

चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी

कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है, उस दिन प्रातः स्नान करके अपने सुहाग (पति) की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें।

पूजन

उस दिन भगवान शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। पूजन करने के लिए बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी बनाकर उपरोक्त वर्णित सभी देवों को स्थापित करें।

नैवेद्य

शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर मोदक (लड्डू) नैवेद्य हेतु बनाएँ

करवा

काली मिट्टी में शक्कर की चासनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के करवे अथवा तांबे के बने हुए करवे। -

10 अथवा 13 करवे अपनी सामर्थ्य अनुसार रखें।

कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करकचतुर्थी (करवा-चौथ) व्रत करने का विधान है। इस व्रत की विशेषता यह है कि केवल सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। स्त्री किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की हो, सबको इस व्रत को करने का अधिकार है। जो सौभाग्यवती (सुहागिन) स्त्रियाँ अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे यह व्रत रखती हैं।

करवाचौथ का इतिहास

बहुत-सी प्राचीन कथाओं के अनुसार करवाचौथ की परंपरा देवताओं के समय से चली आ रही है। माना जाता है कि एक बार देवताओं और दानवों में युद्ध शुरू हो गया और उस युद्ध में देवताओं की हार हो रही थी। ऐसे में देवता ब्रह्मदेव के पास गए और रक्षा की प्रार्थना की। ब्रह्मदेव ने कहा कि इस संकट से बचने के लिए सभी देवताओं की पत्नियों को अपने-अपने पतियों के लिए व्रत रखना चाहिए और सच्चे दिल से उनकी विजय के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

ब्रह्मदेव ने यह वचन दिया कि ऐसा करने पर निश्चित ही इस युद्ध में देवताओं की जीत होगी। ब्रह्मदेव के इस सुझाव को सभी देवताओं और उनकी पत्नियों ने खुशी-खुशी स्वीकार किया। ब्रह्मदेव के कहे अनुसार कार्तिक माह की चतुर्थी के दिन सभी देवताओं की पत्नियों ने व्रत रखा और अपने पतियों यानी देवताओं की विजय के लिए प्रार्थना की। उनकी यह प्रार्थना स्वीकार हुई और युद्ध में देवताओं की जीत हुई। इस खुशखबरी को सुन कर सभी देव पत्नियों ने अपना व्रत खोला और खाना खाया। उस समय आकाश में चांद भी निकल आया था। माना जाता है कि इसी दिन से करवाचौथ के व्रत के परंपरा शुरू हुई।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

जैसे ही दिवाली या

जैसे ही दिवाली या कोई अन्य हिंदू त्योहार आता है वामपंथी और कुछ सेलिब्रिटी अपने तथाकथित ज्ञान की उलटी करना शुरू कर देते हैं। हे घृणाजीवियों हम अनादि काल से दीयों के साथ दिवाली मनाते आए हैं। अपनी चकाचौंध में बने रहो और आस्था के उत्सव में अपनी टाँग न घुसेड़ो। - **विजय पाण्डेय**

बहुत याद आते हो

बहुत याद आते हो तुम अपनी यादों की आहट से बेचैन कर जाते हो तुम तुम्हारी हसरत है मुझे ,जानती हूं तुम हकीकत से परे हो यह भी मानती हूं पर तुम्हारा मिलना,बातें करना मेरी फिक्र करना, वह जज्बातों की फसल हर पल याद करूं तो सांसो को आलोडित कर महका जाते हो तुम सच बताऊं बहुत याद आते हो तुम। **-रेनू शब्द मुखर**

खास पाती | सुनो देव मेरी चादर पर रहती

सुनो देव मेरी चादर पर रहती है तुम्हारी कही कई बातें तुम्हारी अभिव्यंजना जानते हो उन्ही को ले सिमट जाती हूँ अपने आप में । दिन भर पढ़ती हूँ,सुनती भी हूँ तुम्हें तुम्हारी बातों में गढ़ लेती हूँ तुम्हे मैं फिर रातभर सिरहाने के पास सुनो। शाम तक फिर याद करती हूँ तुम्हें उस ओढ़ी हुई चादर हाथ में लिए यूँ कतरा कतरा फिर समाने लगते हो तुम मेरे ज़ेहन में हर पल हर हर्फ़ सुनो यूँ तुम घुल जाते हो मुझमें अपनी सोच और हँसी के साथ. बैठ खिड़की के पास अक्सर तकती हूँ उन ख्यालो को जो दूर से सौंधी महक से आते है मेरे पास..उन बर्फढ़की पहाड़ियों से सुनो। **-सुरेखा अग्रवाल**

सुनों, वो कहते हैं कि तुमने कलैंडर

सुनों, वो कहते हैं कि तुमने कलैंडर की तारीखें रट रखी है मैंने कहा- हाँ, क्योंकि सतुम स हो तो ये तुमसें मिली यादें जिनको मैं कभी नही भूली. उन्होंने पूछा- क्या अब भी मैं तुम में शामिल हूँ बेहद में हूँ या शुमार हूँ ख़ामोश रही वफ़ा बोली क्या लगता सवाल का जवाब तुम तुम अब भी उलझे हो फिर वो बोले कन्फर्म करना चाहता हूँ सुनना चाहता हूँ तुमसें मैं हो कि नही शामिल डबडबायी आँखों मे आसूँ धड़कनो में साज़ बंधे मैं बोली- अब भी नही समझें तुम खुद को मुझमें ढूँढो... कि जलती है जो वफ़ा..इंतज़ार में बही अता और एक वक्त पर चीखती सदा सब तुम से ही है। - **नंदिता तनूजा**

जावेद अख्तर एक अच्छे लेखक

जावेद अख्तर एक अच्छे लेखक व गीतकार रहे हैं लेकिन आर्यन के मामले मे अब सिर्फएक मुसलमान बोल रहा है जिसे एनसीबी, सरकार व सारा सिस्टम मुस्लिम विरोधी दिखाई दे रहा है । केंचुल यूं ही उतरती है । **-एल.एस. बिष्ट**

शीतल शीतल ज्योत्सना, बरसाता

शीतल शीतल ज्योत्सना, बरसाता चहुँओर । पूनम का यह चंद्रमा, होता आत्म विभोर ।। शरद पूर्णिमा रात में, अमृत की बरसात । देता हो ज्यूँ चंद्रमा ,प्रणय भरी सौगात ।। महारास की रात्रि है, चन्द्र - कला अभिराम । नैन मूंद ले चल प्रखर , मन वृंदावन धाम ।। एक चाँद निकला यहाँ, एक तुम्हारे देश । लगता जैसे डाकिया, पहुँचाता संदेश। **-राजेश श्रीवास्तव 'प्रखर'**

एक अर्से बाद हम अपने घर आए हैं, सबके दिए हुए दुखों से उबर

एक अर्से बाद हम अपने घर आए हैं, सबके दिए हुए दुखों से उबर आए हैं, ये किन ग़मों ने चाँट लिया है हमको, ये किसकी बद्दुआ में असर आए हैं, अब नहीं पूछते वो ख़ैर ख़बर हमारी, उसकी रईसी में नये नये पर आए हैं, जिन्हें सितारे मुआवजे में दिए हमने,मेरी दहलीज पे बुझे दिए धर आए हैं, अब चश्में तर नहीं होती किसी ग़म पे, दुखों की बेहिसाब झीलें उतर आए हैं।

- अनिल अनमोल शर्मा

मैं तू, तू मैं एक कन्हाई। जान न दुनिया पाई कन्हाई।। चार दिनों

मैं तू, तू मैं एक कन्हाई। जान न दुनिया पाई कन्हाई।। चार दिनों का मेला ये जग। दुनिया एक सराय कन्हाई।। जो आया हूं वो जाएगा वो। कैसी रीत बनाई कन्हाई ।। तुझमे सब न कोई अलग। तूने ही प्रीत निभाई कन्हाई।।कभी मिलन के मोती मिलते। मिलती कभी जुदाई कन्हाई।। मैं तू, तू मैं एक कन्हाई । जान न दुनिया पाई कन्हाई।। **- सविता वर्मा 'ग़ज़ल'**

QUIZ TIME

1) भारत के पहले भूकम्प पूर्व चेतावनी मोबाइल एप्लीकेशन 'भूकम्प अलर्ट' का अनावरण किस राज्य में किया गया है?
2) भारत में लद्दाख के किस क्षेत्र में सीमा सड़क संगठन द्वारा विश्व की सबसे ऊँची मोटर-योग्य सड़क का निर्माण किया गया है?
3) किस वर्ष भारत में हरित क्रान्ति की शुरूआत हुई थी?
4) भारत की एकमात्र अन्तर्वाही नदी का नाम क्या है?
5) डोगरी भाषा की पहली आधुनिक महिला कवि का नाम बताइए?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) उत्तराखण्ड (2) उमलिंग ला दर्रा (3) 1966-67 (4) लूनी नदी (5) पद्मा सचदेव

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1577- सिखों के चौथे गुरु रामदास ने अमृतसर शहर की स्थापना की। 1605 - अकबर के निधन के बाद शहजादे सलीम ने मुगल सल्तनत की बागडोर संभाली। 1775 - अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर का जन्म। 1851 - कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) और डायमंड हार्बर के बीच पहली आधिकारिक टेलीग्राफलाइन की शुरूआत। 1914 - महान स्वतंत्रता सेनानी लक्ष्मी सहगल का जन्म। 1921 - देश के सबसे चर्चित और सम्मानित कार्टूनिस्ट आर के लक्ष्मण का जन्म। 1949- न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय की आधारशिला रखी गई। 1971- हिन्दी फ़िल्म अभिनेत्री मल्लिका शेरावत का जन्म। 1984 - भारत की पहली मेट्रो रेल सेवा की कलकत्ता में शुरूआत। 1997 - केरल में शिक्षण संस्थाओं में रैगिंग पर रोक लगाई गई। 2001 - स्विट्जरलैंड में गोथार्ड रोड की सुरंग के भीतर दो वाहनों के बीच आमने सामने की टक्कर के बाद आग लगने से दस लोगों की मौत हो गई। 2003 - ब्रिटेन ने सुपरसोनिक यात्री विमानों को विदाई दी. इस श्रेणी के अंतिम विमान ने हीथ्रो हवाई अड्डे से उड़ान भरी। 2004- ब्राजील ने अंतरिक्ष में पहला सफल रॉकेट परीक्षण किया। 2013- सुप्रसिद्ध भारतीय पार्श्व गायक मन्ना डे का निधन। 2017- प्रसिद्ध ठुमरी गायिका गिरिजा देवी का निधन ।

बंटी और बबली 2 का टीजर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और रानी मुखर्जी की जोड़ी वाली फिल्म बंटी और बबली 2 का टीजर रिलीज कर दिया गया है।

वर्ष 2005 में प्रदर्शित फिल्म बंटी और बबली में रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, अमिताभ बच्चन ने मुख्य भूमिका निभायी थी। बंटी और बबली के सीक्वल में रानी मुखर्जी, सैफ अली खान, शरवरी बाघ और सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल में नजर आयेंगे। बंटी और बबली 2 का टीजर रिलीज कर दिया गया है। टीजर में रानी मुखर्जी, सैफअली खान के साथ शरवरी वाघ और सिद्धांत चतुर्वेदी भी नजर आ रहे हैं।

टीजर में दिखाया गया है कि पिछले फिल्म की बबली उर्फ रानी मुखर्जी और अभिषेक बच्चन को रिप्लेस करने वाले सैफअली खान शॉट देने के लिए टच-अप करवा रहे हैं। रानी, सैफसे कहती हैं, 'सैफूहम कितने समय बाद साथ में काम कर रहे हैं?' इस पर सैफकहते हैं, '12 साल।' रानी कहती हैं, 'मैंने वाकई तुम्हारे साथ काम करना बहुत मिस किया।' इसी दौरान नई जेनरेशन के बंटी-बबली, शरवरी वाघ और सिद्धांत चतुर्वेदी पहुंच जाते हैं। दोनों के आने से कन्फ्यूजन बढ़ जाती है कि आखिर यहां दो बंटी और दो बबली क्यों हैं। इस पर रानी कहती हैं, 'यहां सिर्फएक बबली है, और वो मैं हूं।'सैफ और रानी निर्देशक वरुण से शिकायत करते हैं कि ये लोग यहां क्या कर रहे हैं, 'तो जवाब मिलता है कि ये भी बंटी और बबली हैं, आदी सर (आदित्य चोपड़ा) ने स्क्रिप्ट बदल दी है।' ये सुनते ही सैफऔर रानी नाराज होकर वहां से चले जाते हैं।

'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का म्युजिकल प्ले निर्देशित करेंगे आदित्य चोपड़ा

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार आदित्य चोपड़ा अपनी सुपरहिट फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का म्युजिकल प्ले निर्देशित करने जा रहे हैं।

आदित्य चोपड़ा ने वर्ष 1995 में शाहरूख खान और काजोल लेकर सुपरहिट फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' बनायी थी। इस फिल्म को म्युजिकल प्ले के फॉर्म में एडॉप्ट किया जा रहा है, जिसका निर्देशन आदित्य चोपड़ा करेंगे। आदित्य चोपड़ा ने कहा, ÷मैं इस साल की सर्दियों में अपना सबसे महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा हूं। मैं हॉलीवुड और अमेरिकी पॉप कल्चर से बेहद प्रभावित था और मैंने सोच रखा था कि चंद इंडियन फिल्में बनाने के बाद मैं हॉलीवुड भाग जाऊंगा और टॉम क्रूज को मेन लीड में लेकर वर्ल्डवाइड अंग्रेजी बोलने वाली ऑडियंस के लिए डीडीएलजे बनाऊंगा। जाहिर है कि ऐसा नहीं हो सका।

अक्षय कुमार ने उटी में 'रामसेतु' की शूटिंग पूरी की

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार ने अपनी आने वाली फिल्म 'रामसेतु' की शूटिंग उटी में पूरी कर ली है।

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'रामसेतु' की शूटिंग में बिजी हैं। अक्षय फिलहाल 'राम सेतु' की शूटिंग उटी में कर रहे थे और अब उनका शेड्यूल पूरा हो गया है। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वह जैकलीन फर्नांडीस और सत्यदेव के साथ नजर आ रहे हैं। इस फोटो में अक्षय और सत्यदेव आसमान की ओर देख रहे हैं और जैकलीन ने आंखें बंद की हुयी हैं। फोटो के साथ अक्षय ने लिखा है, ÷फोटो में या जीवन में हमेशा काले बादलों के ऊपर प्रकाश की सुंदर लकीर होती है। राम सेतु के ऊटी शेड्यूल को पूरा किया। आशा है कि दिव्य प्रकाश हमेशा हमारा मार्गदर्शन करेगा।

गौरतलब है कि अभिषेक शर्मा के निर्देशन में बनी रही माइथोलॉजी फिल्म 'रामसेतु' में अक्षय कुमार एक आर्कियलॉजिस्ट का किरदार निभा रहे हैं।फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा जैकलीन फर्नांडीस और नुसरत भरूचा की भी अहम भूमिका है।

मन्ना डे ने शास्त्रीय संगीत को फिल्म जगत में विशिष्ट पहचान दिलायी

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड में मन्ना डे को एक ऐसे पार्श्वगायक के तौर पर याद किया जाता है, जिन्होंने अपने लाजवाब पार्श्वगायन के जरिये शास्त्रीय संगीत को फिल्म जगत में विशिष्ट पहचान दिलायी। प्रबोध चन्द्र डे उर्फमन्ना डे का जन्म एक मई 1919 को कोलकाता में हुआ था। मन्ना डे के पिता उन्हें वकील बनाना चाहते थे, लेकिन उनका रूझान संगीत की ओर था और वह इसी क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते थे। मन्ना डे ने संगीत की प्रारंभिक शिक्षा अपने चाचा के.सी.डे से हासिल की।

मन्ना डे के बचपन के दिनों का एक दिलचस्प वाक्या है। उस्ताद बादल खान और मन्ना डे के चाचा एक बार साथ-साथ रियाज कर रहे थे, तभी बादल खान ने मन्ना डे की आवाज सुनी और उनके चाचा से पूछा यह कौन गा रहा है। जब मन्ना डे को बुलाया गया तो उन्होंने अपने उस्ताद से कहा, बस ऐसे ही गा लेता हूं लेकिन बादल खान ने मन्ना डे की छिपी प्रतिभा को पहचान लिया। इसके बाद वह अपने चाचा से संगीत की शिक्षा लेने लगे। मन्ना दा 40 के दशक में अपने चाचा के साथ संगीत के क्षेत्र में अपने सपनों को साकार करने के लिए मुंबई आ गये । वर्ष 1943 में फिल्म तमन्ना में बतौर पार्श्वगायक उन्हें सुरैया के साथ गाने का मौका मिला। हालांकि इससे पहले वह फिल्म रामराज्य में कोरस के रूप में गा चुके थे। दिलचस्प बात है कि यही एक एकमात्र फिल्म थी, जिसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने देखी थी।

न्यूज गैलरी

दूसरी तिमाही में एंजेल वन की आय 13.4 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई (वार्ता)। एंजेल वन लिमिटेड को 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही 538.2 करोड़ रुपये की आय हुयी है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 474.5 करोड़ रुपये की तुलना में 13.4 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि चालू वित्त वर्ष की इस तिमाही में उसका कर पूर्व लाभ 1,21.4 करोड़ रुपये की तुलना में 11 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,34.3 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी के निदेशक मंडल ने दूसरी तिमाही में 35 प्रतिशत अंतरिम लाभांश देने का प्रस्ताव किया है।

चौथे दिन पेट्रोल और डीजल में लगी आग

नई दिल्ली (वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में तेजी जारी रहने के कारण शनिवार को घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार चौथे दिन बढोतरी की गयी। शनिवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल फिर से 35-35 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया। आज की बढ़त के बाद राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 107.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.97 रुपये प्रति लीटर के सर्वकालिक रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया।

बुधवार को इन दोनों की कीमतों में 35-35 पैसे प्रति लीटर की बढोतरी की गयी थी। आज की बढोतरी के बाद मुंबई में पेट्रोल 113.12 रुपये और डीजल 104 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पेट्रोल सबसे महंगा 115.90 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 105.27 रुपये प्रति लीटर पर, पटना में पेट्रोल 110.84 रुपये और डीजल 102.57 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरू में पेट्रोल 110.98 रुपये और डीजल 101.86 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। राँची में पेट्रोल के साथ ही डीजल भी शतक

लगा चुका है। पेट्रोल 101.56 रुपये और डीजल 101.27 रूपये प्रति लीटर पर है। दिल्ली एनसीआर के नोएडा में पेट्रोल 104.42 रुपये और डीजल 96.62 रुपये प्रति लीटर पर है।

अभी देश के अधिकांश प्रमुख बड़े शहरों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये प्रति लीटर से अधिक हो गयी है और देश के अधिकांश बड़े शहरों में डीजल भी शतक लगाने की ओर बढ़ रहा है। कुछ शहरों में डीजल 100 रुपये के पार पहुंच चुका है। इस महीने में अब तक 23 दिनों में से 18 दिन इन दोनों की कीमतों में बढोतरी हुयी है। इस महीने में अब तक पेट्रोल 5.60 रुपये प्रति लीटर और डीजल 6.20 रुपये प्रति लीटर महंगा हो चुका है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल अभी भी ऊंचे स्तर पर बना हुआ। सप्ताहांत पर कल अमेरिकी बाजार में तेजी रही। ब्रेंट क्रूड 0.92 डॉलर की बढ़त के साथ 85.53 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 1.09 डॉलर चढ़कर 82.50 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। पिछले सप्ताह भी इन दोनों में करीब तीन फीसदी की तेजी देखी गयी थी।

तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 107.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.97 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

रिलायंस रिटेल ने तिमाही में खोले नए 813 स्टोर

नई दिल्ली (वार्ता)। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस रिटेल ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 813 स्टोर शुरू किये जिससे उसके देशभर में कुल 13,635 स्टोर हो गए हैं, जो 3 करोड़ 73 लाख वर्ग फुट में फैले हुए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज की कल देर शाम जारी तिमाही वित्तीय लेखाजोखा में कहा गया है कि रिलायंस रिटेल की बिक्री में जबर्दस्त तेजी देखने को मिली, बिक्री के आंकड़ें कोविड पूर्व के आंकड़ों से आगे निकल गए। कंपनी का सकल राजस्व पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले दूसरी तिमाही में 10.5 प्रतिशत बढ़कर 45,426 करोड़ रुपये पर पहुंच

गया और शुद्ध लाभ भी 74.2 फीसदी का इजाफा देखने को मिला। अब यह 1695 करोड़ रपये हो गया है। स्टोर के साथ रिलायंस रिटेल ने गोदामों और आपूर्ति चेन को भी मजबूत किया है। कंपनी ने 25 लाख वर्गफुट में फैले 86 नए गोदामों और आपूर्ति केंद्रों की स्थापना की है। कंपनी ने बयान में कहा कि जैसे-जैसे कोविड प्रतिबंधों में ढील दी गई और बिजनेस तेजी की आशा बंधी, कंपनी ने स्टोर्स और बुनियादी ढांचे के विस्तार पर जोर देना शुरू कर दिया। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने कहा ÷मुझे आपको ये बताते हुए खुशी हो रही है कि रिलायंस ने वित्त वर्ष 2022 की दूसरी तिमाही में मज़बूत प्रदर्शन किया है। भौतिक स्टोर और डिजिटल ऑफ़र्स, दोनों की वजह हुए तेज़ विस्तार के दम पर रिलायंस रिटेल लगातार आगे बढ़ रहा है।

भारत और पाकिस्तान में होगी भावनाओं की जंग

दुबई (वार्ता)। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को होने वाले बहु प्रतिष्ठित मुकाबले के लिए माहौल तैयार हो चुका है और दोनों टीमों के बीच यह सिर्फ एक मुकाबला नहीं बल्कि भावनाओं की जंग होगा। भारत और पाकिस्तान दोनों आम तौर पर क्रिकेट के मैदान में आमने सामने नहीं होते हैं और केवल आईसीसी टूर्नामेंटों में उनके बीच टकराव होता है। भारत का टी 20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 5-0 का रिकॉर्ड है और वह इसे 6-0 करना चाहेगा। दूसरी तरह पाकिस्तान का मकसद भारत के खिलाफ विश्व कप में हार का क्रम तोड़ना होगा। भारतीय कप्तान विराट कोहली इस मुकाबले को किसी जंग की तरह नहीं बल्कि सामान्य मैच की तरह देख रहे हैं।

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. 0771-2436320
email ID: eocghbzone2@gmail.com

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत, कटोरा तालाब, रायपुर में निर्मित भवन क्र. एलआईजी-18, श्रीमती डी. अनुराधा पति श्री डी. लक्ष्मण राव के नाम पर इस कार्यालय के नामांतरण आदेश क्र. 6905 दिनांक 14.11.2018 द्वारा नामांतरित किया गया है। वर्तमान में नामांतरण श्रीमती डी. अनुराधा पति श्री डी. लक्ष्मण राव निवासी- फ्लैट नं. 102 गोलछा प्लाजा, नलघर चौक रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्री पारस कोडवानी पिता श्री मुरली कोडवानी निवासी-हाउस नं. 42/1872/ 1बी स्वपनिल स्टूडियो के पास कटोरा तालाब सिविल लाईन, रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय, अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-2, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, जोन क्र. 5 रायपुर
ईदगाह भाठा, पानी टंकी, रायपुर (छ.ग.)
ph.No. 0771-40455819 Email rmczone5@gmail.com

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र.259 दिनांक 11.10.21
वार्ड का नाम वार्ड- पं. दीनदयाल उपाध्याय-41

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-41 स्थित भूमि/भवन एलआईजी-2/28 सेक्टर-2 जो कि निगम अभिलेख में श्री योगेश राव s/o श्री एच.के. बाबू राव के नाम से दर्ज है जिसको 1. श्री श्यामसुंदर वैष्णव s/o श्री वी.डी. वैष्णव 2. श्रीमती तृप्ति वैष्णव w/o श्री श्यामसुंदर वैष्णव ने रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक-5
नगर पालिक निगम, रायपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा पत्र

रा.प्र.क्र./रजि. नंबर 202110100400181
पक्षकार का नाम- श्री निजु कुट्टी प्रिंज

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री निजु कुट्टी प्रिंज आ. श्री के.व्ही. वर्गीस कुट्टी निवासी-वार्ड नं.14 कोहका भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन एवं पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. सं. 1959 की धारा 172/ 59 (2)(5) तहत् प्रस्तुत किया गया हैं। जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
कोहका प.ह.न 19 तह.व जिला दुर्ग	5470/2	0.015 हे. 1575 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 08.10.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया ।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
दुर्ग, जिला-दुर्ग

कार्यलय संपदा अधिकारी छ.ग. गृह निर्माण मण्डल सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-दुर्ग (छ.ग.)

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मधु गर्ग पति श्री आर.के गर्ग एवं श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव पति डा. श्री विकास श्रीवास्तव, निवासी- 29/14 नेहरू नगर पूर्व भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग) को छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र दुर्ग द्वारा खम्हरिया भिलाई में स्थित भवन क्रमांक एल.आई.जी-एन/ 303 (तृतीय तल) जिला दुर्ग में संयुक्त नाम पर आबंटित किया गया है। आबंटी श्रीमती मधु गर्ग एवं श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव द्वारा उक्त भवन का विक्रय पत्र उप पंजीयक कार्यालय दुर्ग से दिनांक 04/06/2015 एवं फ्री होल्ड दिनांक 11/09/2015 अनुसार उक्त भवन को सह आबंटी (हकत्यागकर्ता) श्रीमती मधु गर्ग ने हक त्याग विलेख दिनांक 15/1/16 को (हक प्राप्तकर्ता) श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव पति डा. श्री विकास श्रीवास्तव के नाम पर हक त्याग कर दिया गया है। हक प्राप्तकर्ता श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव द्वारा पंजीकृत दस्तावेज आधार पर उक्त भवन का स्वामित्व मण्डल अभिलेख में अपना नाम पर दर्ज कराने हेतु आवेदन किया है।

अतः हक प्राप्तकर्ता श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव के नाम हस्तान्तरण/नामंतरण किया जाता है तो किसी भी व्यक्ति, वारिसान, शासकीय, अर्धशासकीस बैंक वित्तीय निकायों इत्यादी को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर लिखित में आपत्ति/दावा इस कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। बाद में प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं नामांतरण की कार्यवाही करने के लिए मण्डल स्वतंत्र रहेगा।

मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय के मोहर के साथ आज दिनांक 13/10/21 को जारी किया गया है।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
प्रक्षेत्र दुर्ग (छ.ग)

न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण के सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदिका सुशीला वर्मा पति स्व. महेश वर्मा निवासी सेलूद प.ह.नं. 27 तहसील पाटन द्वारा आवेदन किया है कि उनके नाम पर ग्राम सेलूद में भूमि खसरा नं. 550 रकबा 0.02 हेक्टर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। मूल ऋण पुस्तिका गुम हो जाने के कारण डुप्लीकेट ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन मय शपथ पत्र, पुलिस रिपोर्ट, अनापत्ति प्रमाण पत्र के साथ इस न्यायालय में पेश किया है उक्त प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को दावा/ आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 29/10/2021 को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा/ आपत्ति पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं होगा।

आज दिनांक 29/09/2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील
तहसीलदार
पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग, रायपुर वनमण्डल, रायपुर

नीलाम की संक्षिप्त सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि रायपुर वनमण्डल रायपुर के विभिन्न डिपो में अनिवर्तित वनोपज का घोष विक्रय दिनांक 27.10.2021 को प्रातः 11.00 बजे वनमण्डल कार्यालय राजातालाब रायपुर में किया जावेगा। इच्छुक क्रेता स्थल पर समय पर उपस्थित रहे।

वनोपज का विवरण

(1) व्यापारिक बांस (विभिन्न साइज) 8352 नग।
(2) व्यापारिक बांस (टुकड़ों में) 4609 नग।
(3) मिश्रित जलाऊ 561 चट्टा।
(4) मिश्रित लट्ठा 173 नग।
(5) फेंसिंग पोल्स 107 नग।

नीलाम की शर्तें आदि की जानकारी वनमण्डल कार्यालय से कार्यालयीन दिवस एवं समय में प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम में सम्मिलित होने वाले बोलीदारों को सलाह दी जाती है कि वे वनोपज का अवलोकन कर लेवें ताकि विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो सके। व्यापारी पंजीयन प्रमाणपत्र, आयकर PAN NO. एवं GST NO. प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

जी-64651/3
वनमण्डलाधिकारी
रायपुर वनमण्डल, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, जोन क्र. 5 रायपुर
ईदगाह भाठा, पानी टंकी, रायपुर (छ.ग.)
ph.No. 0771-40455819 Email rmczone5@gmail.com

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र.258 दिनांक 11.10.21
वार्ड का नाम वार्ड- पं. दीनदयाल उपाध्याय-41

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-41 स्थित भूमि/भवन एलआईजी-173 सेक्टर-2 जो कि निगम अभिलेख में श्री राजेन्द्र कुमार चौधरी आ. स्व. मणीलाल चौधरी के नाम से दर्ज है जिसको श्री राजेश कुमार रमानी s/o ओमप्रकाश रमानी ने रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक-5
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-02
शहीद स्मारक स्कूल के.के. रोड रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र. 269/2021-22
वार्ड का नाम- हवलदार अ. हमीद-36

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि हवलदार अ. हमीद-36 स्थित मकान/ भूमि 36/302 जो कि निगम अभिलेख में श्री दीपक कुमार सिंघल पिता नागरमल सिंघल के नाम से दर्ज है, जिसको श्री विवेक कुमार सिंघल पिता नागरमल सिंघल ने रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक- 02
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-02
शहीद स्मारक स्कूल के.के. रोड रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र. 270/2021-22
वार्ड का नाम- हवलदार अ. हमीद- 36

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि हवलदार अ. हमीद-36 स्थित मकान/ भूमि 36/30 जो कि निगम अभिलेख में श्री दीपक कुमार सिंघल पिता नागर मल के नाम से दर्ज है, जिसको श्री विवेक कुमार सिंघल पिता नागरमल सिंघल ने रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक- 02
नगर पालिक निगम, रायपुर

Bank of Baroda — **NOTICE**

The under mentioned persons are hereby informed that they have failed to pay off the liability in the loan accounts. Notices sent to them by Registered Post have been returned undelivered to the Bank. They are therefore requested to pay off the liability and other charges and redeem the pledged securities on or before **30th October 2021** failing which the said securities will be sold by the Bank in public auction at the cost of the borrower at the Bank's premises at **04:00** P.M. on **30-10-2021** (30th October 2021) or on any other convenient date thereafter without further notice at the absolute discretion of the Bank.

Sr. No.	Date of Loan	Loan Number	Name and address of the borrower
1	21-08-2021	36400600001023	SHRAVAN KUMAR PATLE, AKALTARA
2	19-07-2021	36400600000997	SHRAVAN KUMAR PATLE, AKALTARA
3	04-02-2014	43410500000019	GOPAL SONI, BALODA BAZAAR
4	04-04-2015	43410500000080	RAVI KANT VERMA, BALODA BAZAAR
5	04-03-2021	31350600002042	MANOJ THAKUR , BHATAPARA
6	24-01-2018	24810500005583	ISHWAR CHAND, KORBA
7	13-10-2017	30220500000382	ONKAR PRASAD YADAV, PATHALGAON
8	19-05-2020	59190600000107	MAYA DEVI MARKO, PENDRA
9	16-10-2020	59210600000234	JOGENDRA SINGH, AMBIKAPUR

Date: 23.10.2021, Place: Bilaspur (C.G.) — Authorised Office, Bank of Baroda

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, गरियाबंद छत्तीसगढ़
eegar-phe-cg@nic.in

// ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत सक्षम ठेकेदारों से निम्नांकित कार्य हेतु प्रपत्र ''ए'' में निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम :- जल जीवन मिशन अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में एकल ग्राम योजना का कार्य।

नि.सू.क्र./दिनांक	सिस्टम क्र.	ग्राम/विकासखंड का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)
129/20.10.2021	85682	कोसमी/गरियाबंद	43.94
130/20.10.2021	85683	आमदी/गरियाबंद	49.94
131/20.10.2021	84584	हसौदा/गरियाबंद	46.06
132/20.10.2021	85684	काजनसरा/गरियाबंद	44.42

नोट :- उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in दिनांक 25.10.2021 से देखी जा सकती है तथा बिड सबमिशन की अंतिम तिथि दिनांक 09.11.2021 है।

जी-64634/4
कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
गरियाबंद (छ.ग.)

दैनिक नव प्रदेश — प्रदेश के साथ पूरा देश...

बालोद/कवर्धा/खरोरा

navpradesh.com

रायपुर, रविवार, 24 अक्टूबर 2021

अड़सेना में शरद पूर्णिमा महोत्सव सम्पन्न

खरोरा/नवप्रदेश। ग्राम अड़सेना में लीला मंडली के तत्वावधान में शरद पूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल के मुख्य आतिथ्य, सरपंच डॉ तेज राम पाल की अध्यक्षता व जिला पंचायत सदस्य व जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा भाजपा रायपुर ग्रामीण सोना वर्मा, जिला उपाध्यक्ष महेश नायक, मंडल अध्यक्ष नरेन्द्र ठाकुर, नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील सोनी, जिला कार्यसमिति सदस्य एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष रोशन चंद्राकर, अध्यक्ष रामराज्य परिवार एवं पार्षद खरोरा, महामंत्री दुलेश साहू, पूर्व सरपंच मंजू तेजपाल के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि की आसंदी से देवजी भाई ने कहा कि श्रीराम लीला भारतीय सनातन संस्कृति के प्रचार का सशक्त माध्यम है। श्री रामचरित के प्रदर्शन से जनमानस में सामाजिक दायित्वों का बोध होने के साथ-साथ पारिवारिक आदर्श स्थापित करने का संदेश जाता है और इसके मंचन में पात्रों द्वारा निभाये जाने वाले किरदारों की छवि लंबे समय तक मानस पटल पर स्थायी होता है। संस्कृति का संरक्षण व संवर्धन से संबध्द दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने में ये काफी हद तक सफल भी हैं।

शहीद जवान के घर पहुंच टीआई ने परिजनों को किया सम्मानित

खरोरा/नवप्रदेश। पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद पुलिसमी वीर खिलानंद साहू की वीरता की गाथा सुनकर वहां मौजूद हर किसी की आंखें नम हो गई। लेकिन उनकी शहादत को नमन करने को मौजूद नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल सोनी, पार्षदगण, पुलिस अफ सरों और कर्मचारियों का चेहरा गर्व की अनुभूति से दमक उठा। शहीद खिलानंद साहू के परिजनों को खरोरा में ही सम्मानित किया गया। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल सोनी ने कहा कि इन वीर साथियों का शौर्य, साहस एवं आत्मोत्सर्ग आने वाली पीढ़ियों को कर्तव्य परायणता की प्रेरणा देता रहेगा। वहीं थाना प्रभारी रमेश मरकाम ने शहीद खिलानंद साहू के घर पहुंच उनकी माता को साल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज का चुनाव 31 को

खरोरा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के केंद्रीय अध्यक्ष एवं तिल्दाराज के राज प्रधान का चुनाव प्रत्येक गांव में 31 अक्टूबर को होगा। केंद्रीय अध्यक्ष के लिए 7 प्रत्याशी एवं तिल्दा राज प्रधान के लिए 3 प्रत्याशी मैदान में है। मतदान का समय सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक होगा। नगर इकाई खरोरा में क्रमांक 128, 129, 130 तीन मतदान केंद्र बनाए गए हैं। 12 मतदान अधिकारी नियुक्त किए गए है। मतदान केंद्र स्वामी विवेकानंद कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरोरा मंगल भवन के पास को बनाया गया है। सभी मतदान अधिकारी एवं पर्यवेक्षक 8:30 बजे मतदान केंद्र में अपनी उपस्थिति देकर का मतदान संपन्न कराएंगे। मतदान पर्ची का वितरण किया जा रहा है। मतदान क्रमांक 128 में 180, मतदाता क्रमांक 129 में 180 मतदाता, मतदान क्रमांक 130 में 229 मतदाता, केसला 589 मतदाता मतदान करेंगे।

रक्तदान शिविर का आयोजन, 40 लोगों ने किया दान

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। आम तौर पर ब्लड की जरूरत सिकलिन थैलेसीमिया व डिलीवरी के केस में ज्यादा पड़ती है और कई बार इस जरूरत के समय ब्लड उपलब्ध नहीं होता। इस समस्या को देखते हुए एक विशेष शिविर का आयोजन समता युवा संघ व भावना फाउंडेशन के द्वारा डौंडीलोहारा के ओसवाल भवन में किया गया। जहां जितने भी रक्तदान का ब्लड कलेक्शन हुआ उन्हें उन्हीं जरूरतमंदों को उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। ताकि लोगों को परेशानी झेलनी ना पड़े। समता युवा संघ व भावना फ ॉउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में 40 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया है।

तहसील ऑफिस के बाबू की बाबूगिरी से लोग परेशान!

ये तो हद है सरकार! विधायक की शिकायत पर भी कोई कार्रवाई नहीं

खरोरा/नवप्रदेश। रायपुर जिले के खरोरा तहसील के एक बाबू के बाबूगिरी से इन दिनों किसान व ग्रामीण परेशान है। लोग तहसील ऑफिस में फौती, नामांतरण समेत अन्य कई जरुरी कार्यो के तहसील ऑफिस पहुंचते हैं। यहां पदस्थ बाबू द्वारा सीधी मुंह बात करना तो दूर खुद को तहसीलदार से कम नहीं समझते जिससे लोग परेशान है। इसकी शिकायत विधायक से हुई थी। विधायक ने कलेक्टर के सामने लोगों की परेशानियां रखी। बावजूद इसके अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। किसानों की शिकायत है कि उनका काम कम और जमीन से जुड़े व्यापारियों व रसूखदारों का काम मिनटों में हो जाता है, लेकिन किसानों को मिलती है तो सिर्फ और सिर्फ तारीख। बाबू के बाबूगिरी की शिकायत विधायक अनिता शर्मा तक पहुंची। विधायक के निर्देश पर जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष अश्वनी वर्मा, प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस बबलू भाटिया, जनपद सदस्य तोकेंद्र गायकवाड़, रेशम वर्मा ने तहसीलदार रीमा मरकाम से मिलकर क्षेत्र की समस्याओं को लेकर बाबू कृष्ण कुमार साहू की शिकायत करते हुए फ ौती व नामांतरण जैसे अन्य कामों में तेजी लाने की मांग रखी गई थी जिसे तहसीलदार द्वारा जल्द ही किसानों की समस्याओं का निराकरण कराने आश्वासन दियाद्ध इसके पूर्व में पत्रकार संघ के द्वारा भी रायपुर करेक्टर सौरभ कुमार से शिकायत की गई थी। बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

नगर में फल-फूल रहा नशे का अवैध कारोबार, पुलिस बना मूकदर्शक

खरोरा/नवप्रदेश। शहर तिल्दा-नेवरा में इन दिनों गांजा, शराब जैसे मादक पदार्थों के साथ साथ नशीली दवाओं का अवैध कारोबार युवा पीढ़ी को अपने शिकंजे में जकड़ रहा है। वहीं जुआ -सट्टा का अवैध कारोबार भी धड़ल्ले से संचालित हो रहा है जिससे नगर की एक अलग पहचान बन रही है। इस अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन गंभीर नहीं है और मूकदर्शक बना बैठा है। कुछ दिनों पूर्व कांग्रेसी नेता व वार्ड पार्षद ने मामले पर तिल्दा-नेवरा टीआई शरद चंद्रा को ज्ञापन सौंपकर इन अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने की मांग रखी थी, उन्होंने जल्द ही कार्रवाई करने का आश्वासन तो दिया, लेकिन पुलिस अवैध कारोबारियों पर शिकंजा कसने के लिए श्रीगणेश ही नहीं किया। इधर नगर में 18 वर्ष से कम उम्र के लड़कों को चौक चौराहे पर गांजा के छल्ले उड़ाते देखा जा सकता है वहीं अवैध शराब के कारोबारी निर्भिक रूप से अपने अवैध कारोबार को संचालित कर रहे हैं। इनका प्रमाणिक सबूत के तौर पर शासकीय शराब दुकान खुलने के पहले मदिरा प्रेमियों के मदहोशी से आंका जा सकता है। ऐसा नहीं है कि अवैध शराब बिक्री के संदेहियों पर पुलिसिया धरपकड़ नहीं होती। धरपकड़ होती है मगर उस प्रकरण को वहीं दफ्ना दिया जाता है। इसी तरह जुआ-सट्टा जैसे अवैध कारोबार कुकुरमुत्ते की भांति फल-फूल रहा है।

कांग्रेस बताए कवर्धा में लोकतंत्र और कानून व्यवस्था बचा क्या : अनिल

कवर्धा/नवप्रदेश। जिला कांग्रेस कमेटी के बयान पर जिला भाजपा अध्यक्ष अनिल सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कांग्रेस अध्यक्ष नीलकंठ चंद्रवंशी कहते है राजनीतिक लाभ के लिए भाजपा अशांति फैला रही है तो अपने पार्टी को धर्मनिरपेक्ष पार्टी बताने वाले कांग्रेसी अध्यक्ष बताए क्यों मोहम्मद अकबर अपने कम्युनिटी के अपराधी लोगों को बचाने के लिए लगातार पुलिस पर दबाव बनाकर एक पक्षीय कार्यवाही करा रहे। कवर्धा की जनता ने तो उन्हें जिताकर भारत के लोकतन्त्र की खूबसूरती का नजीर पेश किया है क्या वे सिर्फ कम्युनिटी विशेष के संरक्षण के लिए विधायक बनते है या फिर जनता की सेवा के लिए, जनता ने उन्हें चुना है। कांग्रेसियों को यह भी बताना चाहिए कब तक इनके विधायक कवर्धा से भागते फिरेंगे। इतिहास में कवर्धा में कभी इस तरह का कर्फ्यू नहीं लगा जो कांग्रेस और अकबर राज में कवर्धा के शांतिप्रिय जनता को झेलना पड़ा। 20 दिनों में कवर्धा की जनता का सुध विधायक ने लिया, बहुसंख्यक वर्ग को हर तरफ से दमन किया गया उन्हें पीटा गया, उन पर अपराध पंजीबध हुए। यहां तक की उनका बड़ा त्यौहार बंदिशों में गुजरा, कर्फ्यू के कारण व्यापारियों को परेशानी हुई वे भी इन्हीं वर्ग से ज्यादा है। पुलिसिया खौफ पैदा कर लोगों की भावनाओं को कुचला गया और इनके ही इशारे पर कवर्धा के माथे पर यह कलंक लगा। वहीं उन्होंने कहा कि भाजपा शान्ति के पक्ष में नहीं होती तो क्या इनकी क्षमता है शांति कायम कर पाते। हमारे पार्टी के सभी बड़े कार्यकर्ताओं पर बिना अपराध गैर जमानती धारा लगने के बाद भी भाजपा के कार्यकर्ताओं ने संयम का परिचय दिया।

राइसमिलर्स को मंत्री ने समस्याएं सुलझाने का दिया आश्वासन

कवर्धा/नवप्रदेश। जिले के जिला राइसमिल एसोसिएशन के पदाधिकारियों तथा सदस्यों के द्वारा मंत्री मोहम्मद अकबर से मुलाकर कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। मिलर्स के पदाधिकारियों ने मंत्री को प्रमुख समस्याएं बताई जिसमें समर्थन मूल्य के धान से निर्मित चावल एफसीआई के द्वारा बार-बार रिजेक्ट करना और कवर्धा से दूर-दूर के गोदामों में चावल जमा करने के लिये बाध्य करना, नई नीति के अनुसार चावल का केमिकल टेस्ट कराया जाना, विपणन संघ से मिलिंग की राशि का लम्बी अवधि से भुगतान नहीं होना आदि शामिल है। इन समस्याओं का समाधान करने के लिए मंत्री द्वारा विशेष सचिव, खाद्य तथा प्रबंध संचालक मार्कफेड से दूरभाष पर चर्चा की गई। मिलिंग की राशि का शीघ्र भुगतान करने की सहमति दी गई तथा एफसीआई के बजाए नागरिक आपूर्ति निगम में चावल जमा कराने के लिये अनुमति के लिए मुख्यमंत्री से बात करने आश्वस्त किया। जिला राईस मिल एसोसिएशन के पदाधिकारी चर्चा एवं आश्वासन से पूरी तरह से संतुष्ट हुए और मंत्री का धन्यवाद किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ब्रिटेन और रूस में ...

एस्ट्राजेनेका बहुत पहले बना लिया था और लोगों को जल्दी में टीके भी दिए लेकिन फिर भी कोरोना बेकाबू होता दिख रहा है।

ऐसे में पूरी तरह से वैक्सीनेट होने के बाद भी बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए गाइडलाइंस को फॉलो किए जाने की जरूरत है। भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचने, मास्क लगाने, हाथ सेनिटाइज करने और उचित दूरी बनाने की जरूरत है।

ड्रोन के जरिए ...

डीआरडीओ की ओर से इजराइली तकनीक से लैस कुछ ड्रोन जल्द ही घाटी की सुरक्षा एजेंसियों तक पहुंचाए जाएंगे।

तकनीक ने सोशल मीडिया के माध्यम से संप्रेषण और अभिव्यक्ति के लिए खुला मंच दिया है। देश और समाज विरोधी ताकतें इसका इस्तेमाल सांप्रदायिकता, जातिवाद, नफरत आदि दुष्प्रचार फैलाने के लिए कर सकती है। पत्रकारिता के सरोकारों को बनाये रखने के लिए इन चुनौतियों से निपटना बेहद आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि हमारे यहां सत्य की खोज की परंपरा रही है शास्त्रार्थ की परंपरा रही है हमें सत्यान्वेषी होना चाहिए। हमारे देश में विरोधी आवाजों को भी सुनने की परंपरा रही है। सूचना प्रवाह के साथ अनेक भ्रामक खबरें एवं गलत जानकारियां भी प्रचलित होती है यदि हम सूचनाओं के तह तक जाएं, प्रामाणिक इतिहास का अध्ययन करें तो सही तथ्य उजागर होंगे। भारत के इतिहास को धूमिल करने की कोशिश की जा रही है। जब हम सत्यान्वेषण करेंगे तो अपने आप असल तस्वीर हमारे हमारी आंखों के सामने होगी। आज के समय में अंधकार गहरा है पर हमें उम्मीद की किरण जगानी होगी। न्यू मीडिया के दौर में पत्रकारों के लिए यह अहम जिम्मेदारी है।

ऑटो व कार में ...

ड्राइवर साजा निवासी 36 वर्षीय परमेश्वर सेन की रायपुर जाते समय रास्ते में मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

साइबर क्राइम पर ...

इनके द्वारा भविष्य में साइबर क्राइम के चुनौतियों को विभिन्न राज्यों के द्वारा आपसी सहयोग एवं समन्वय से हल करने को कहा गया। वहीं आरके विज द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में साइबर का जिलेवार सेटअप प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा तकनीकी पहलुओं को विस्तार से बताया गया। वर्तमान में साइबर अपराध के विवेचना के दौरान आने वाली कठिनाईयों तथा चुनौतियों से अवगत कराया गया। वर्तमान परिदृश्य में बढ़ते साइबर अपराध पर नियंत्रण हेतु गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित आई4सी के माध्यम से समन्वय स्थापित कर साइबर अपराध के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही के बारे में कहा। चाइल्ड पोर्नोग्राफी के बारे में बताया तथा इस दिशा में छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा उठाये गये कदम के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने वर्तमान में साइबर अपराध से संबंधित कानूनों की कमियों को दूर कर उसे अधिक प्रभावी व सक्षम करने पर जोर दिया।

नकेल कसने पर दिया बल : गृह मंत्रालय नई दिल्ली के अफसरों ने केन्द्रीय स्तर पर साइबर अपराध से निपटने गठित भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र'' तथा उसके अन्य सात घटकों के कार्यो के बारे में बताया जिसमें साइबर क्राइम पोर्टल, नेशनल साइबर क्राइम फॉरेंसिक लैब के साथ-साथ गृह मंत्रालय द्वारा साइबर जागरूकता की दिशा में उठाये गये कदम के बारे में पावरपाइन्ट प्रजेन्टेशन के माध्यम से बताया गया। साइबर अपराधियों के द्वारा इस्तेमाल किये गये मोबाईल नंबर, बैंक अकाण्ट के आधार पर एक राज्य में किये गये अपराध को विभिन्न राज्यों से इन्टरलिंक कर समस्त राज्यों में ऐसे अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही करने पर बल दिया गया।

भविष्य के लिए तैयार की गई रोडमैप : रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, बैंक्स व टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स के साथ पुलिस को साइबर संबंधित अत्यावश्यक जानकारी प्राप्त करने में व समय पर उक्त के द्वारा त्वरित कार्यवाही करने असमन्वय तथा उससे प्राप्त चुनौतियों पर विचार विमर्श किया गया। चर्चा के दौरान उपस्थित वरिष्ठ अधिकारीगण द्वारा इन्हें उक्त समस्याओं को दूर करने हेतु निर्देशित भी किया गया।

पेंशनर्स कर्मचारियोंलिए...

ऐसी कोई वजह नहीं है कि कर्मचारियों के हित में जो निर्णय केंद्र सरकार कर पा रही है, वैसा प्रदेश सरकार न करे। आपसे आग्रह है कि तत्काल कर्मचारियों व पेंशनर्स के डीए में इज़ाफ़े और इसके साथ ही कर्मचारी संगठनों की सभी मांगों पर संवेदनशीलता से विचार कर गतिरोध दूर करने का प्रयत्न करें।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 20211010040323

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका रीनू सिंह पति सुरेन्द्र सिंह निवासी विश्रामपुर तह. व जिला दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम धनोरा प.ह.न. 39 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 871/2 रकबा 0.035 हें/ 3842 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 20.10.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 20211010040259

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका मनोरमा चंद्राकर पति छगन लाल चंद्राकर निवासी बोरसी तह. व जिला दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम पोटियाकला प.ह.न. 23 अ तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 177/20 रकबा 0.014 हें/ 1505 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 13.10.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, राजनांदगांव (छ.ग.)
07744-224035 (O) E-mail- eeraj-phe-cg@nic.in

// ई-प्रोक्योरमेंट //
// निविदा आमंत्रण सूचना //

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र- ए में जल जीवन मिशन अंतर्गत जल जीवन मिशन अंतर्गत रेट्रोफिटिंग/ एकल ग्राम नल जल प्रदाय योजनांतर्गत जिला राजनांदगांव के विभिन्न विकासखंडों के विभिन्न ग्रामों में UPVC/HDPE पाईप लाईन जोड़ने बिछाने, उच्चस्तरीय जलागार निर्माण, उच्चस्तरीय जलागार सुधार कार्य, स्वीच रूम, उच्चस्तरीय जलागार के चारों और बाउंड्रीवाल निर्माण, सबमर्सिबल पंप का प्रदाय एवं स्थापना कार्य, विद्युत विभाग (CSPDCL) से इलेक्ट्रिक कनेक्शन, इलेक्ट्रोक्लोरीनेटर स्थापना, क्लीरीनेटर रूम, घरों एवं शासकीय संस्थानों में कार्यरत नल कनेक्शन प्रदाय आदि एवं अन्य समस्त कार्य, टेस्टिंग, 03 माह का ट्रायल रन, 06 माह तक संचालन संधारण का कार्य (सम्पूर्ण कार्य सामग्री सहित संलग्न शेड्यूल अनुसार) की मुहरबंद निविदाएं दिनांक 12.10.2021 से आनलाईन पर आमंत्रित की जाती है। उपरोक्त कार्य के निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से दिनांक 20.10.2021 से डाउनलोड की जा सकती है तथा निविदा डाउनलोड करने की अंतिम दिनांक 01.11.2021 (शाम 5.30 बजे) तक है।

क्र.	निविदा/सिस्टम क्रमांक	ग्राम/विकासखण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)
1	166/ 85464	गोडरी (डोंगरगांव)	27.51
2	167 /85465	घुघवा (डोंगरगांव)	38.24
3	168 /85466	मंडलाटोला (खैरागढ़)	51.48
4	169 /85467	गातापार जंगल (खैरागढ़)	54.00
5	170 /85468	खैरबना (छुईखदान)	39.88

जी-64642/3

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड,
राजनांदगांव (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, भाटापारा
(छत्तीसगढ़ शासन का उपक्रम) (छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल की एक उत्तरवर्ती कम्पनी)

बिजली बंद की सूचना

छ.स्टे.पा.डि.कं. लिमिटेड भाटापारा संभाग के सम्माननीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि दीपावली पूर्व लाईनों एवं उपकेन्द्रों का मेंटनेंस कार्य हेतु समय 10.00 बजे से सायं 04.00 बजे तक नीचे दर्शाए क्षेत्रानुसार की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद है। आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन संभाव्य है।

क्र.	दिनांक	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र/ फीडर का नाम	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	24.10.2021	220/132/33 के.व्ही. भाटापारा	33 के.व्ही. भाटापारा-3	33/11 के.व्ही. टेहका उपकेन्द्र से निकलने वाले 11 के.व्ही. फीडर मयूर स्कूल, हटरी बाजार।
2		33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र जरौद	जरौद सब स्टेशन	जरौद टाउन फीडर, जरौद इण्डस्ट्रीयल फीडर, बोड़तरा फीडर एवं समस्त लाईन
3		33/11 के.व्ही. भाटापारा	11 के.व्ही. टिकुलिया	रावनभाठा, ढाबाडिह
4		33/11 के.व्ही. जरौद उपकेन्द्र	11 के.व्ही. जरौद टाउन फी.	जरौद
5		33/11 के.व्ही. सुहेला उपकेन्द्र	11 के.व्ही. सुहेला टाउन फीडर	सुहेला, धोबनीडीह
6		जरौद टाउन फीडर	जरौद टाउन फीडर	जरौद
7		सुहेला टाउन फीडर	सुहेला टाउन फीडर	सुहेला, धोबनीडीह
8	25.10.2021	220/132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र भाटापारा	33 के.व्ही. निपनिया फीडर	कोसमंदा, बिटकुली, निपनिया उपकेन्द्र से निकलने वाले समस्त लाईन
9		33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र कोसमंदा	11 के.व्ही. अचानकपुर फीडर	अचानकपुर, पौसरी, धुर्राबांधा
10		33/11 के.व्ही. देवरी	11 के.व्ही. देवरी ग्रामीण	देवरी, सेमरियाघाट
11		132/33/11 के.व्ही. दुलदुला उपकेन्द्र	33 के.व्ही. बेमेतरा-1 फीडर	HT उपभोक्ता EE(LIS), मेसर्स बजरंग पॉवर सिमगा एवं 33/11 Kv IPDS S/s सिमगा।
12		220/132/33 के.व्ही. सुहेला	हिरमी फीडर	हिरमी सब स्टेशन, (सकलोर, कुथरौद, बरडीह हिरमी, मोहरा)
13		132/33/11 के.व्ही. दुलदुला उपकेन्द्र	33 के.व्ही. बेमेतरा-1 फीडर	HT उपभोक्ता EE(LIS), मेसर्स बजरंग पॉवर सिमगा एवं 33/11 Kv IPDS S/s सिमगा।
14		33/11 के.व्ही. हिरमी उपकेन्द्र	11 के.व्ही. हिरमी फीडर	हिरमी, सकलोर, कुथरौद (बस्ती)
15		33/11 के.व्ही. सुहेला उपकेन्द्र	11 के.व्ही. रावन फीडर	बासीन, झीपन, रावन, अमेरी, पेण्ड्री, कसहीडीह, परसवानी
16		33/11 के.व्ही. दामाखेड़ा उपकेन्द्र	11 के.व्ही. लिमतरा फीडर (दामाखेड़ा)	ग्राम किरवई, दामाखेड़ा, चंदिया पथरा, अड़बंधा एवं करहूल के पंप उपभोक्ता।
17		33/11 के.व्ही. हथबंध उपकेंद्र	11 के.व्ही. केसली फीडर	ग्राम धोधा, उड़ेला, खिलोरा, केसली, संकरी एवं करेली के समस्त उपभोक्ता।
18		हिरमी फीडर	हिरमी फीडर	हिरमी सब स्टेशन (सकलोर, कुथरौद, बरडीह हिरमी मोहरा)
19		हिरमी से हिरमी फीडर	हिरमी से हिरमी फीडर	हिरमी, सकलोर, कुथरौद (बस्ती)
20		सुहेला से रावन फीडर	सुहेला से रावन फीडर	बासीन, झीपन, रावन, अमेरी, पेण्ड्री, कसहीडीह, परसवानी

1. '' स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें ''
2. '' समयावधि में देयक का भुगतान करे, लाईन विच्छेदन से बचें।''

(जी.पी. अनंत)
कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग
छ.स्टे.पा.डि.कं. लिमिटेड भाटापारा
कर्मचारी क्रमांक 05331110

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित, प्रबंध संपादक - चन्द्रशेखर धोटे
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

न्यूज गैलरी

बीमार लोगों के परिजनों से मिलकर बेहतर उपचार का दिया भरोसा

राजनांदगांव/नवप्रदेश। जिले के गातापारकला में लगभग 77 लोगों का स्वास्थ्य बिगड़ जाने के बाद हड़कंप मचा हुआ था। हालांकि, अब स्थिति नियंत्रण में है। बीमार लोगों को बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था, जहां राजगामी संपदा न्यास के अध्यक्ष विवेक वासनिक भी उनका कुशलक्षेम जानने पहुंचे। बीमार लोगों के त्वरित व समुचित उपचार करने के लिए उन्होंने मेडिकल कालेज के डाक्टरों को निर्देशित भी किया था। इस दौरान राजगामी संपदा न्यास के अध्यक्ष विवेक वासनिक ने अस्वस्थ लोगों के परिजनों से भी मुलाकात कर बीमार लोगों को बेहतर उपचार सुविधा दिलाए जाने का भरोसा दिया था। गौरतलब है कि जिले के ठेलकाडीह थाना क्षेत्र के अंतर्गत गातापारकला गांव में मंगलवार को साप्ताहिक बाजार के दौरान कथित रूप से कुछ खाद्य सामाग्री खाने से बच्चों समेत 77 लोग बीमार हो गए थे।

पति की हत्या का प्रयास करने वाली आरोपिया पत्नी को 10 वर्ष कारावास

भाटापारा/नवप्रदेश। चरित्र पर संदेह करने वाले पति की हत्या करने की नियत से उस पर जानलेवा हमले के आरोपी पत्नी बिंदु बाई महिलांगे पति राम मनोहर महिलांगे को धारा 307 के आरोप अंतर्गत चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश भाटापारा किरण त्रिपाठी ने 10 वर्ष कठोर कारावास एवं 1000 रुपए आर्थिक दण्ड से दंडित किया। अपर लोक अभियोजक भाटापारा न्याजी खान ने बताया कि राम मनोहर महिलांगे ने 10-11-2018 को भाटापारा में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि आरोपिया बिंदु बाई ने उसके सिर में बसुला से मारकर चोट पहुंचाया। डॉक्टर मुलाहिजा में उक्त चोट हत्यात्मक प्रकृति का बताया गया। जिस पर पुलिस ने आरोपिया को गिरफ्तार कर अभियोग पत्र अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से प्रकरण अपर सत्र न्यायालय में उपार्पण पर प्रेषित किया गया। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया।

दो मकानों के टूटे ताले, सोने चांदी के गहने व नकदी पार

भाटापारा/नवप्रदेश। शहर के मध्य स्थित रिहायसी मोहल्ला संजय वार्ड के दो मकानों में चोरो ने धावा बोलते हुए एक मकान से नकदी सहित सोने चांदी के जेवर ले भागे। जबकि दूसरे मकान के गेट का ही ताला तोड़ पाया। पुलिस अपराध दर्ज कर चोरों की पतासाजी कर रही है। संजय वार्ड निवासी रामगोपाल शर्मा के निवास पर लगे गेट का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने घर पर प्रवेश कर कमरे में रखी अलमारियों को खोल कर उसमें रखे सोने के टॉप्स, चांदी की थाली, चांदी का गिलास, पायल, चांदी के सिक्के सहित नकदी रुपये और बिना सिलाये हुए कपड़े को चोरी कर ले गए। घर के बाहर लगे सीसी टीवी कैमरे में दो चोरों की करतूत कैद हो गई। अब फुटेज के आधार पर पुलिस दोनों की खोजबीन कर रही। वहीं सत्यनारायण जोशी ने बताया कि उनके पिताजी 3 बजे मन्दिर जाने के लिए मेन गेट पर ताला लगाकर गए और उनके जाते ही उनके घर के ताले के कुंडी को तोड़ कर दरवाजे को धकेलने का प्रयास किया और इस वारदात को अंजाम देने के पूर्व उसने बाजू वाले मकान के दरवाजे को बाहर से बंद कर दिया था।

हिन्दू युवा मंच ने घरेलू गैस सिलेंडर पर सब्सिडी देने पीएम को लिखा पत्र

सब्सिडी की राशि बढ़ाने और बैंक खाते में सीधे ट्रांसफर करने भी की मांग

राजनांदगांव/नवप्रदेश। हिन्दू युवा मंच ने एलपीजी रसोई गैस की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर एलपीजी गैस सिलेंडर पर सब्सिडी बढ़ाने और सब्सिडी की राशि सीधे हितग्राहियों के खाते में स्थानांतरित करने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पेट्रोलियम मंत्रालय को पत्र लिखा है।

हिन्दू युवा मंच के जिलाध्यक्ष किशोर माहेश्वरी ने बताया है कि वर्तमान समय में महंगाई आसमान छू रही है। खाने से लेकर, ईंधन, राशन, सब्जियां, फ ल हर अन्य दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुओं का मूल्य आये दिन और तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने उज्ज्वला योजना के तहत प्रत्येक घर तक घरेलू गैस के कनेक्शन तो पहुंचा दिए, लेकिन इन गैस सिलेंडर में ईंधन भराना अब मुश्किल जान पड़ रहा है। दिन-प्रतिदिन घरेलू गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों ने रसोई घर का जायका बिगाड़ दिया है।

एक तरफ घरेलू गैस सिलेंडर भी महंगे होते चले गए और दूसरी तरफ सब्सिडी भी खत्म होती चली गई। हिन्दू युवा मंच के जिलाध्यक्ष ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि, केंद्र सरकार ने योजनाबद्ध तरीके से और षड्यंत्र करके हर महीने घरेलू एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी कर एलपीजी पर मिलने वाली सब्सिडी को ही खत्म कर दिया है। घरेलू रसोई गैस की कीमतों में बीतें साढ़े 7 वर्षों में इस कदर उछाल आया है कि महंगे एलपीजी गैस ने आम आदमी की कमर तोड़कर ही रख दी है। बीते साढ़े 7 वर्षों की गणना करें तो हम पाएंगे की एलपीजी रसोई गैस की कीमतें बढ़कर दुगुनी से भी ज्यादा हो गई है। 1 मार्च 2014 की अगर बात करें तो घरेलू एलपीजी गैस 14.2 किग्रा का खुदरा मूल्य लगभग 400 रूपये प्रति सिलेंडर था जो आज दुगुने से भी ज्यादा बढ़कर लगभग 990 रुपए तक पहुंच गया है।

जुलाई 2020 में देश की राजधानी दिल्ली में 14.2 किग्रा वाले एलपीजी रसोई गैस का बाजार मूल्य 637 रुपये था, जो घटकर 594 रुपये रह गया था। इस पर पेट्रिलियम मंत्रालय का कहना है कि, मई 2020 से सब्सिडी और बिना सब्सिडी वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत समान हो गई है और अब इसमें कोई अंतर नही रह गया है।

सब्सिडी के मानको पर जाएं तो सब्सिडी सरकार द्वारा तय किया गया अनुदान है। सब्सिडी देश के नागरिकों को मिले अथवा न मिले यह पूरी तरह सरकार की मंशा पर निर्भर करता है। पूर्व में जिस प्रकार केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में भारी उछाल को देखते हुए और बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने रिफलिंग के समय प्रति सिलेंडर की कीमत एक ही कर दी थी और उस पर मिलने वाली सब्सिडी की राशि सीधे ग्राहक के बैंक खाते में सीधे स्थानांतरित कर दी जाती थी। ठीक उसी तरह एक अदद पहल करने की आज फिर से आवश्यकता महसूस की जा रही है।

इलेक्ट्रॉनिक कांटा से धान की तौल किए जाने की मांग

गांव-गांव में चलाया जाएगा हस्ताक्षर अभियान

बेमेतरा/नवप्रदेश। सरकारी धान खरीदी केंद्रों में लंबे समय से किसान और किसान नेताओं की ओर से इलेक्ट्रॉनिक कांटा में धान की तौल किए जाने की मांग की जा रही हैं। बीते खरीदी सत्र के दौरान किसान नेता योगेश तिवारी ने इस संबंध में कलेक्टर को ज्ञापन सौंप धान खरीदी इलेक्ट्रॉनिक कांटा के माध्यम से सुनिश्चित किए जाने की मांग की थी।

अब इस मांग को लेकर किसान नेता और उनके समर्थकों द्वारा किसानों को एकजुट करने के लिए गांव गांव में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। 15 दिनों तक हस्ताक्षर हस्ताक्षर अभियान चलाए जाने के बाद हजारों किसानों के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन को राज्यपाल के नाम कलेक्टर को सौंपा जाएगा। जिसमें जिलें के हर धान खरीदी केंद्र में धान की तौल इलेक्ट्रॉनिक कांटा से किए जाने की मांग किए जाएगी। इस संबंध में किसान नेता योगेश तिवारी ने बताया कि बीते खरीदी सत्र में उनके द्वारा कई धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया गया था।

इस दौरान कई धान खरीदी केंद्रों में धान की तौल में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई थी। किसानों से हर कट्टे में 2 से 3 किलो अतिरिक्त धान लिया गया। कई कट्टे में 5 किलो का अंतर देखा गया, इस तरह गरीब किसानों से लूट का खेल खुलेआम चल रहा हैं। इसलिए धान की खरीदी इलेक्ट्रॉनिक कांटा से किए जाने की मांग की जा रही हैं। इसके अलावा बीते सत्र में धान खरीदी के लिए किसानों से बारदाना मांगे गए थे। एक ओर जहां धान ओवरवेट तौला जा रहा है वहीं दूसरी ओर किसानों से बारदाना मंगाने पर उन्हें दोहरी मार झेलनी पड़ रही हैं।

पीएम सड़क योजना द्वारा मनाया जा रहा है आजादी का महोत्सव

गरियाबंद/नवप्रदेश। भारत सरकार द्वारा 75वां भारत के आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम पूरे देश में मनाया जा रहा है जिस कड़ी में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जिला गरियाबंद द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

साथ ही संधारण अवधि में शामिल सड़कों पर संधारण कार्य, साफ-सफाई के साथ सुधार कार्य कराया जा रहा है। विभिन्न सडकों में अमृत महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित कर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना निर्मित सड़कों से आवगमन की सुविधा के साथ-साथ गांवों के सर्वांगिण विकास के संबंध में जागरूकता के माध्यम से लोगों से चर्चा कर योजना के संबंध में लोगों को जानकारी दी जा रही।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जिला इकाई गरियाबंद कार्यालय प्रमुख प्रदीप वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत जिला गरियाबंद में नियमित संधारण अंतर्गत 20 पैकेज में कुल 30 सड़क है जिनमें से 15 से 30 अक्टूबर तक अमृत महोत्सव मनाये जाने हेतु उच्च कार्यालय से निर्देश प्राप्त हुए है। गरियाबंद जिला अंतर्गत 05 ब्लॉक है जिसमें प्रत्येक ब्लॉक में उपअभियंता, सहायक अभियंता एवं कार्यालयीन स्टॉफ द्वारा अमृत महोत्सव मनाये जाने हेतु प्रस्तावित सड़कों में विशेष रूप से संधारण कार्य किया जा रहा है।

साथ ही ग्राम जनप्रतिनिधि, आम नागरिकों, स्कूल के बच्चों को आजादी का अमृत महोत्सव पर प्रकाश डालते हुए सड़कों के निर्माण से जीवन को मुख्यधारा में जोड़े जाने से गांवों का विकास, लोगों के जीवनशैली में आये बदलाव पर चर्चा कर किया जाता है।

गोदाम 8 किराना दुकान में चोरी, आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा/नवप्रदेश। बाजार पारा गांधी चौक में हेमंत देवांगन के किराना सामान के गोदाम से 12 टीन तेल एवं हल्दी, मिर्चा, इत्यादि किराना सामान कुल 27 हजार को चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट पर थाना पंडरिया में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर चोर की पतासाजी की जा रही थी। जांच के दौरान संदेही के रूप में रवि भट्ट पिता कृष्णा भट्ट 22 साल निवासी कोसोमसरा थाना कसडोल बलौदाबाजार, हाल पता- सिसोदिया नगर वार्ड 13 पंडरिया को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई तो उसने अपने साथी राकेश यादव पिता शिव 24 साल निवासी सिसोदिया नगर वार्ड 13 पंडरिया के साथ मिलकर चोरी करना कबूल किया।

क्रेडिट कैम्प में 4 करोड़ 92 लाख का लोन स्वीकृत

गरियाबंद/नवप्रदेश। बैंकों द्वारा 22 अक्टूबर को आयोजित लोन मेला में शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत 4 करोड़ 92 लाख 25 हजार रुपए लोन मौके पर स्वीकृत किया गया जिसमें बिहान, केसीसी, मुद्रा लोन, लघु एवं सूक्ष्म उद्योग के लोन, हाउसिंग लोन एवं अन्य विकासीय लोन स्वीकृत किया गया। जिला अग्रणी बैंक मैनेजर राजीव रंजन ने बताया कि स्थानीय जनपद पंचायत के सामुदायिक भवन में विशाला लोन मेला का आयोजन जिले के बैंकर्स द्वारा किया गया था। जिसमें जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, क्षेत्रीय प्रबंधक बैंक ऑफबड़ौदा सुनील त्रिवेदी, नाबार्ड के प्रबंधक प्रियब्रत साहू, जनपद सीईओ केके डहरिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। लोन मेला में बिहान, शहरी विकास, उद्योग, अंत्यावसायी, मछली पालन, पशुपालन, आदिवासी विकास के अधिकारियों ने शासन द्वारा संचालित हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही बैंकर्स द्वारा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं एवं वित्तीय साक्षरता संबंधी जानकारी दी गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में हितग्राही पहुंचे थे। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि बैंकर्स द्वारा समय-समय पर कैम्प लगाकर योजनाओं की जानकारी दी जाती है, जिसका लाभ मिलना सुनिश्चित हो। उन्होंने बिहान की महिलाओं से बैंकों से संबंधित आ रही परेशानियों के संबंध में बैंकर्स से रूबरू कराया। क्षेत्रीय प्रबंधक ने बैंकिंग के लोन प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी। मौके पर हितग्राहियों को ऋण स्वीकृत कर चेक वितरित किया गया।

पार्थिव शरीर को मुक्तिधाम पहुंचाने निशुल्क स्वर्ग रथ उपलब्ध

■ **महापौर सहित निगम पदाधिकारियों ने की पूजा**

राजनांदगांव/नवप्रदेश। नगर निगम द्वारा मृतक के पार्थिव शरीर को मुक्तिधाम पहुंचाने एल्डरमैन निधि से 1 स्वर्ग रथ क्रय किया है। जिसका महापौर हेमा देशमुख सहित निगम पदाधिकारियों की उपस्थिति में पूजा अर्चना की। उक्त स्वर्ग रथ को आम नागरिकों को निःशुल्क उपलब्ध कराने टाका घर परिसर में रखा है।

स्वर्ग रथ के संबंध में महापौर ने बताया कि नागरिकों की सुविधा के लिये शव फ्रीजर एवं स्वर्ग रथ उपलब्ध कराने वर्ष 2020-21 के बजट में क्रय करने का प्रावधान रखा था। इसके तहत निगम द्वारा फरवरी माह में 2 शव फ्रीजर क्रय किया और प्रक्रिया कर एल्डरमैन निधि से स्वर्ग रथ क्रय किया गया। जिसका आज पूजा-अर्चना कर विधिवत नागरिकों को निःशुल्क उपलब्ध कराने टाका घर परिसर में रखा गया है। उन्होंने सभी नामांकित पार्षदों को इस पुनित कार्य के लिये अपनी निधि देने पर आभार व्यक्त किया और कहा कि नगर में सामाजिक संस्था बढते कदम द्वारा 1 नग शव फ्रीजर एवं स्वर्ग रथ समान्य दर पर उपलब्ध कराया जाता है। एक नग होने के कारण आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिसे ध्यान में रखते हुए बजट में प्रावधान कर आम जनता के लिये महापौर निधि से 2 नग शव फ्रीजर क्रय किये जिसे मांग अनुसार लोगों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है और इसी कड़ी में आज से नागरिकों को मृतक के पार्थिव शरीर को ससम्मान मुक्तिधाम या कब्रस्तान ले जाने निःशुल्क स्वर्ग रथ उपलब्ध कराया जायेगा, जिसे शासन से अनुमति लेकर एल्डरमेन निधि से क्रय किया गया है। उन्होंने बताया कि जरूरतमद लोग टांका घर परिसर के मोटर प्रतिपालन विभाग में आकर संपर्क कर सकते है।

चेम्बर ने खाद्य मंत्री को तेल एवं तिलहन पर स्टॉक सीमा निर्धारित करने सौंपा ज्ञापन

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने आज खाद्य मंत्री अमरजीत भगत से सौजन्य मुलाकात की।

चेम्बर के प्रतिनिधि मंडल ने खाद्य मंत्री भगत को केन्द्र सरकार द्वारा खाद्य तेल पर स्टॉक लिमिट लगाने के संबंध में ज्ञापन सौंपा। अमर पारवानी ने खाद्य मंत्री अमरजीत भगत से निवेदन किया कि खाद्य तेलों की स्टाक सीमा होलसेलर को 2500 क्विंटल और रिटेलर को 1000 क्विंटल निर्धारित किया जाये जिससे कि राज्य में खाद्य तेलों की सुगमता बनी रहे।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने मीडिया से चर्चा के दौरान बताया कि केंद्र सरकार ने खाद्य तेल पर स्टॉक लिमिट लगाने का फैसला किया है। इस सिलसिले में खाद्य मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन जारी किया है। अमर पारवानी की माने तो वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य की आबादी लगभग 3 करोड़ है। त्यौहारी सीजन में व्यापारिक गतिविधियों को देखते हुए खाद्य तेलों में अलग-अलग तरह के खाद्य तेल अर्थात् सोयाबीन तेल, सरसों तेल, फल्ली तेल, अलसी तेल, एवं अन्य तेल की जीन्स रहती है तथा इन सब खाद्य तेलों में अलग-अलग ब्रांड आते हैं। चूंकि एक होलसेल दुकानदार द्वारा इन सब चीजों की रेंज मेंटेन करने के लिये स्टॉक की सीमा ज्यादा होती है। चेंबर के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, चेम्बर सलाहकार अमर गिदवानी, कार्यकारी अध्यक्ष राम मंधान और राजेन्द्र जग्गी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, विक्रम सिंहदेव, मनमोहन अग्रवाल, प्रेम पाहूजा, रतन अग्रवाल, आनंद गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

न्यायालय तहसीलदार, भिलाई-3, तहसील पाटन, जिला दुर्ग छ.ग.

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम श्री रामलाल प.ह.नं. 02 रा.नि.मं. भिलाई-3, तहसील-पाटन, को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका अजीत राम यादव पिता/ पति संतराम यादव निवासी मानिक चौकी द्वारा अपने माता बिशा बाई का जन्म/मृत्यु दिनांक 18/5/2008 को हुआ है, जिसका जन्म/ मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने बाबत् है जिस पर किसी भी व्यक्ति को आपत्ति दावा पेश करना हो तो दिनांक 15/10/2021 तक मेरे समक्ष उपस्थित होकर लिखित रूप से नियत दिनांक तक आपत्ति पेश कर सकते है तिथि पश्चात आने वाले आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 5/10/2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी।

सील — तहसीलदार, भिलाई-3, जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगांव के न्यायालय में मामला क्रमांक 202110091900009

विषय-ब-121 मामले की श्रेणी- राजस्व सन् 21-22
करियाटोला प.ह.नं. 00024 (हे.)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार- भूपेन्द्र कुमार देवांगन
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भूपेन्द्र कुमार देवांगन पिता बिसौहा जाति कोष्टा नि. करियाटोला तहसील राजनांदगांव द्वारा ग्राम करियाटोला में बिसौहा आ. प्रेमु के नाम पर भूमि कुल खसरा 04 कुल रकबा 0.46 दर्ज व स्थित है। उक्त भूमि की मूल किसान किताब गुम हो जाने के कारण खाद बीज लेने में परेशानी हो रही है। अतः डुप्लीकेट कि किताब जारी किये जाने हेतु आवेदन मय चालान प्रति, थाना रिपोर्ट, बी-1 की नकल पेश किया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को भी किसी भी प्रकार की दावा/आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 26.10.2021 के पूर्व स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से आज दिनांक 11/10/2021 को जारी किया जाता हैं।

सील — तहसीलदार, डोंगरगांव

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग

उद्घोषणा

प.नं. 202110100400308

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है आवेदक कैलाश कुमार वर्मा आ. चन्द्र कुमार वर्मा निवासी- सिकोला भाठा सूर्या नगर दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम नगपुरा प.ह.नं. 02 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1787/10 रकबा 0.014 हे. 1184 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत पुर्ननिर्धारण बाबत आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा प्रकाशन से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 20/10/2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

सील — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग

उद्घोषणा

प.नं. 202110100400318

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है आवेदिका त्रिवेणी साहू पति भानुराम साहू निवासी जामुल द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम करहीडीह प.ह.नं. 49 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 262/21 रकबा 0.0210 हे. 2326.69 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत पुर्ननिर्धारण बाबत आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा प्रकाशन से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 20/10/2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

सील — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग

उद्घोषणा

प.नं. 202110100400309

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है आवेदक संतुराम बांधाव आ. बनिहार राम बांधाव निवासी सेक्टर 04 भिलाई द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम धनोरा प.ह.नं. 39 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 220/13 रकबा 0.0204 हे. 2200 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत पुर्ननिर्धारण बाबत आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा प्रकाशन से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 20/10/2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

सील — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग

उद्घोषणा

प.नं. 202110100400353

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है आवेदक संजय कुमार साहू आ. आनंद कुमार साहू निवासी चिखला हसदा द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम नगपुरा प.ह.नं. 02 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1826/3 रकबा 0.018 हे. 1998 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत पुर्ननिर्धारण बाबत आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा प्रकाशन से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 21/10/2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

सील — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-6/21-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रदीप कुमार श्रीवास्तव पिता स्व. मोहनलाल श्रीवास्तव निवासी ग्राम उवाभीष नगर तहसील दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम रिसाली तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 131/6, 153/7 रकबा 3480 हे. भूमि जो कि आवेदक/शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार/वसीयतकर्ता डॉ. मोहनलाल श्रीवास्तव के द्वारा आवेदक के पक्ष में दिनांक 8.3.2017 को पंजीकृत/अपंजीकृत वसीयतनामा निष्पादित किया गया है। वसीयतकर्ता की मृत्यु हो जाने पर पंजीकृत/अपंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर आवेदक का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 11/11/2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/10/21 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।
जारी दिनांक 07/10/2021
सुनवाई दिनांक 11/11/2021

सील — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-74/वर्ष-21-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक खिलास लकड़ा पिता स्व. मजुएल लकड़ा निवासी ग्राम प्रगति नगर तहसील दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम रिसाली तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 357/20 रकबा 0.020 हे. भूमि जो कि आवेदक/शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक द्वारा मूल ऋण पुस्तिका गुम हो जाने पर डुप्लीकेट ऋण पुस्तिका प्रदाय करने हेतु आवेदन पत्र चालान की मूल प्रति, बैंकों द्वारा प्रस्तुत अनापत्ति प्रमाण पत्र, थाना की रिपोर्ट व राजस्व अभिलेख सहित इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 12/11/2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/10/21 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।
जारी दिनांक 22/10/2021
सुनवाई दिनांक 12/11/2021

सील — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-06/वर्ष-20-21

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्णमूर्ति तिवारी पिता अर्जुन प्रसाद तिवारी निवासी ग्राम मचौद बालोद तहसील बालोद जिला बालोद के द्वारा ग्राम कसारीडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 768/452 रकबा 1560 हे. भूमि को विक्रता श्रीमती लता तिवारी पिता/पति भरतभूषण तिवारी निवासी ग्राम डीपरा पारा दुर्ग से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 21.10.21 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु इसआवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 15/11/2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/10/21 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।
जारी दिनांक 22/10/2021
सुनवाई दिनांक 15/11/2021

सील — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-6/वर्ष-21-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जितेन्द्र कुमार साहू पिता शत्रुहनलाल साहू निवासी ग्राम शिव नगर दुर्ग तहसील दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 46/227 रकबा 440 वर्गफीट हे. भूमि को दानदाता शत्रुहन साहू पिता स्व. भागीरथी साहू निवासी ग्राम शिव नगर दुर्ग तहसील दुर्ग जिला दुर्ग से रजिस्टर्ड दानपत्र दिनांक 24.09.21 को दान में प्राप्त किया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड दानपत्र के आधार पर स्वयं के नाम पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 29/10/2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06/10/21 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।
जारी दिनांक 06/10/2021
सुनवाई दिनांक 29/10/2021

सील — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, पाटन, जिला-दुर्ग

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण के सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आदिका सुशीला वर्मा पति स्व. महेश वर्मा निवासी सेलूद प.ह.नं. 27 तहसील पाटन जिला दुर्ग द्वारा आवेदन पेश किया है कि उनके नाम पर ग्राम सेलूद में भूमि खसरा नंबर 550 रकबा 0.02 हेक्टर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। मूल ऋणपुस्तिका गुम हो जाने के कारण डुप्लीकेट ऋणपुस्तिका हेतु आवेदन मय शपथपत्र, पुलिस रिपोर्ट, अनापत्ति प्रमाण पत्र के साथ इस न्यायालय में पेश किया है उक्त प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 29/10/2021 को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। बाद प्राप्त दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं होगा।

आज दिनांक 29/09/2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील — तहसीलदार, पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार अण्डा सर्किल, दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./ /अ-27/वर्ष-18-19

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संतोष पाण्डेय आ. जनार्दन पाण्डेय निवासी दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम चंदखुरी तहसील व जिला दुर्ग स्थित खाता क्रमांक ..... में दर्ज भूमि खसरा नंबर 1635/1 रकबा 3896 हे. भूमि जो कि आवेदक संतोष पाण्डेय अन्य के नाम पर शामियात रूप से वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि का पूर्व में हुए आपसी बंटवारा एवं कास्त कब्जा के आधार पर पृथक-पृथक सामान हिस्सों में खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/11/2021 को स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20/10/2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

सील — नायब तहसीलदार, अण्डा सर्किल, दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग

उद्घोषणा

प.नं. 202110100400351

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है आवेदक बलराम साहू आ. रामकुमार साहू निवासी चिखली द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम नगपुरा प.ह.नं. 02 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1826/11 रकबा 0.010 हे. 1070 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत पुर्ननिर्धारण बाबत आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा प्रकाशन से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 21/10/2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

सील — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

देवभूमि से मातृभूमि लौटे यात्री मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

■ सुबह-सुबह भिलाई लौटे यात्रियों ने बताया मंजर

रायपुर/नवप्रदेश। भिलाई के सभी 55 यात्री आज उत्तराखंड से सुरक्षित लौट आये। इतने बड़े हादसे से निकलने के बाद की खुशी उनकी आंखों में स्पष्ट झलक रही थी। भरी हुई आंखों से उन्होंने बताया कि भूस्खलन के बाद का मंजर बहुत डरावना था। हमने हिम्मत नहीं हारी, अपनी सरकार पर भरोसा रखा। बहुत जल्दी डोगरा बटालियन की टीम पहुंची और हम सबको सुरक्षित पहुंचाया। कुछ किमी हमें पैदल चलना पड़ा। हमें राज्य सरकार के अधिकारियों ने बताया कि आप सभी आश्वस्त रहें। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी पूरी घटना पर नजर रखे हुए हैं और आप सभी की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए हर संभव सहायता करने के निर्देश हमें दिये गये हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे पूरे समय लोगों की सहूलियत के संबंध में मानिटरिंग करते रहे। अपर कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना कैंचीधाम के एसडीएम के निरंतर संपर्क में रही। यात्रियों को स्कूल और अन्य सुरक्षित रहवासों में पहुंचाया गया और इनके खानपान की जिम्मेदारी दी गई। इसके बाद दिल्ली तक सुबह- सुबह पहुंचाया गया। यात्रियों ने बताया कि दिल्ली तक आने में किसी तरह की दिक्कत नहीं हुई। जिला प्रशासन के अधिकारी निरंतर समन्वय में रहे। हमें किसी तरह की तकलीफ नहीं हुई। छत्तीसगढ़ भवन में पहुंचकर हमें बहुत अच्छा लगा। यात्रियों ने बताया कि हम इस आपदा से जल्दी इसलिए बाहर आ पाये क्योंकि हमारी सरकार ने उत्तराखंड सरकार से उचित समन्वय बनाया। वहां के जिला प्रशासन ने तेजी से रेस्क्यू का कार्य किया। हम इसके लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रति बहुत आभारी है। सुबह स्टेशन में बहुत सुंदर माहौल था और यात्रियों का स्वागत विजेताओं की तरह किया गया। सबकी आंखों में खुशी के आंसू थे। सामूहिक प्रयास से यह बड़ा काम संपन्न हुआ।

5 जिलों में सक्रिय मरीजों की संख्या शून्य

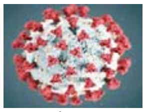

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश के 20 जिलों में 22 अक्टूबर को कोरोना संक्रमण का कोई नया मामला नहीं आया है। इस दिन प्रदेश भर में हुए 22 हजार 076 सैंपलों की जांच में 26 व्यक्ति कोरोना संक्रमित पाए गए। राजनांदगांव, बालोद, बेमेतरा, कबीरधाम, धमतरी, बलौदाबाजार-भाटापारा, महासमुंद, गरियाबंद, मुंगेली, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सरगुजा, कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, सुकमा, कांकेर, नारायणपुर और बीजापुर जिले में 22 अक्टूबर को कोरोना संक्रमण का एक भी मामला नहीं आया है। राज्य के पांच जिलों कबीरधाम, गरियाबंद, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कोरिया और सूरजपुर में अभी कोरोना का एक भी सक्रिय मरीज नहीं है। प्रदेश की औसत पॉजिविटी दर 0.12 प्रतिशत है।

रायगढ़ विधायक प्रतिनिधि पर सस्पेंड महिला इंजीनियर का गंभीर आरोप

गलत वैल्यूएशन करवाने के आरोप, इंकार करने पर की छेड़छाड़

रायपुर। रायगढ़ विधायक प्रकाश नायक के प्रतिनिधि व जपं अध्यक्ष पति पर सस्पेंड महिला सब इंजीनियर ने गंभीर आरोप लगाए। शनिवार को राजधानी रायपुर में प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकारवार्ता में निलंबित महिला इंजीनियर सोनल जैन ने कहा कि साल 2019 में रायगढ़ की जनपद पंचायत बरमकेला में पोस्टिंग के दौरान विधायक के प्रतिनिधि व अध्यक्ष पति अरुण शर्मा ने सरकारी काम में दखल दिया। उन्होंने बताया कि मुझे गलत वैल्यूएशन करने को कहा गया, मैंने इंकार कर दिया तो मुझे विधायक की धौंस दिखाई। मुझे छेड़ा, मेरा बार-बार हाथ पकड़ने की कोशिश की। धमकाते हुए बोला कि मैं अंजाम भुगतने को तैयार रहूं। निलंबित महिला इंजीनियर का दावा है कि इसके बाद मैंने जनपद पंचायत के सीईओ को इस घटना की जानकारी देकर शिकायत की। विधायक के लोगों ने मुझपर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया। तब रायगढ़ के सरिया थाने में भी अपनी शिकायत का आवेदन दिया मगर आवेदन लौटा दिया गया। मुझे मेरे डिपार्टमेंट से हटाकर दूसरी जगह अटैच कर दिया गया, मगर मेरे साथ बदसलूकी करने वालों पर कोई कार्रवाई आज तक नहीं की गई। सोनल बताती हैं कि कुछ महीनों बाद महिला आयोग में शिकायत की वजह से अरुण शर्मा पर एफआईआर हुई, लेकिन मामूली केस बनाकर मामले को दबाने का प्रयास किया गया। अब सोनल चाहती हैं कि अरुण के साथ उसे शह देने वाले अफसरों पर भी कार्रवाई हो।

15 अगस्त के कार्यक्रम में किया था हंगामा

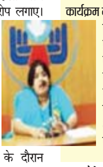

पिछले साल रायगढ़ जिले में मिनी स्टेडियम में आयोजित स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में अचानक पहुंचकर सोनल ने हंगामा भी कर दिया था। सोनल यहां कलेक्टर के सामने मंच की तरफ जाने की जिद करते हुए पुलिसकर्मियों से झगड़ने लगीं थीं। कलेक्टर भीम सिंह तब समझाइश देने महिला कर्मचारी के पास पहुंचे। मगर गुस्साई सोनल जैन ने किसी की नहीं सुनी उन्होंने कहा कि मैं इस्तीफा देने आई हूं, किसी से बात मुझे नहीं करनी। पुलिस से झूमाझटकी करने की वजह से सोनल को तब गिरफ्तार किया गया था। अब डिपार्टमेंट ने भी सोनल को सस्पेंड कर दिया है। मीडिया में अपने साथ हुई घटना का जिक्रकर सोनल सरकार ने न्याय दिलाने की अपील कर रही हैं।

सुपोषण के मामले में 21 राज्यों में नंबर वन बना छत्तीसगढ़

रायपुर/नवप्रदेश। एनएफएसएस डाटा के सर्वे में छत्तीसगढ़ सुपोषण के मामले में 21 राज्यों में अव्वल नंबर प्राप्त करने पर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार को बधाई दी। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने शपथ लेने के बाद पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा था कि राज्य में नक्सल से बड़ी समस्या 37.7 प्रतिशत बच्चों के कुपोषित होना है। अगर हम प्रदेश के विकास की परिकल्पना करते हैं और हमारे राज्य का आने वाला भविष्य 37.7 प्रतिशत बच्चे कुपोषित रहे तो हमारी विकास की अवधारणा अधूरी है। मुख्यमंत्री ने बच्चों को कुपोषण से मुक्ति दिलाने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 150वीं जयंती के दिन 2 अक्टूबर 2019 को कुपोषण मुक्ति महाअभियान की शुरुआत की, जिसके बेहतर परिणाम मिले हैं। देश के 21 राज्यों में एनएफएचएस-4 के द्वारा किए गए सुपोषित बच्चो के सर्वे में छग 21 राज्यो में सुपोषित बच्चो के मामले में नम्बर वन है। 2015-16 में एनएफएचएस-4 के डाटा सर्वे में 37.7 प्रतिशत बच्चे कुपोषित थे। 2021 के सर्वे में कुपोषण में 18.86 प्रतिशत की कमी आई है। छत्तीसगढ़ को छोड़कर बाकी 20 राज्यों में कुपोषण बढ़ी है और छत्तीसगढ़ में कुपोषण में कमी आई है।

धान खरीदी में भाजपा नेता बनावटी चिंता की बजाय केन्द्र से कहे अड़ंगेबाजी बंद करे : मरकाम

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी धान खरीदी पर बनावटी चिंता की बजाय केन्द्र सरकार द्वारा धान खरीदी में लगाई जा रही अड़ंगेबाजी को दूर करवाने का प्रयास करें। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि छग की कांग्रेस सरकार राज्य के किसानों का धान समर्थन मूल्य में खरीदने को प्रतिबद्ध है। इसके लिये मंत्रीमंडलीय उपसमिति की बैठक हो चुकी है। इस वर्ष धान खरीदी का लक्ष्य 105 लाख मिट्रिक टन रखा गया है। धान खरीदी के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही है। धान खरीद केन्द्रों की व्यवस्था चाक चौबंद की जा चुकी है, आवश्यक बारदानों का आर्डर दिया जा चुका है। सहकारी समतियों जिला सहकारी बैंको की बैठक कर आवश्यक निर्देश दिया जा चुका है। शीघ्र ही धान खरीदी की तिथि भी घोषित कर दी जायेगी। मरकाम ने कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार में धान खरीदी में रोज नए नियम-शर्त जोड़ती है, वही भाजपा छत्तीसगढ़ में किसान हितैषी बनने का ढोंग करने लगती है। इस वर्ष केंद्र सरकार ने सेंट्रल पूल में छत्तीसगढ़ का उसना चावल नहीं लेने का फरमान जारी किया है इस आदेश के कारण छत्तीसगढ़ का 40 प्रतिशत धान केन्द्र अप्रत्यक्ष तौर पर खरीदने से मना कर रही है। राज्य के 1800 राइस मिलों में से 600 राइस मिल उसना चावल के हैं, उसना चावल नहीं लेने के फैसले से किसानों के साथ ही इन 600 राइसमिलों में काम करने वाले हजारों लोग भी बेरोजगार हो जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी का राज्य का कोई भी नेता उसना नहीं लेने के केन्द्र के फैसले के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोला जब राज्य के हितों के खिलाफ केन्द्र निर्णय लेता है तब रमन, धरम, बृजमोहन, साय की बोलती बंद हो जाती है। छत्तीसगढ़ के किसानों का वोट पाकर संसद पहुंचे 9 सांसद, केवल किसानों और कांग्रेस के लिए अवरोध उत्पन्न करने के तरीके बताने दिल्ली जाते हैं। इन 9 सांसदों ने आज तक किसानहित में कोई भी सवाल या सुझाव केन्द्र से नहीं किया। धान खरीदी में बाधा खड़ा करने और बाधाओं से उत्पन्न समस्याओं पर सवाल करने के अलावा किसानों के लिए कोई काम भाजपा ने आज तक नहीं किया।

मुख्य एवं अवसर परीक्षा में प्रवेश प्रारंभ, प्रवेश की अंतिम तिथि 15 नवम्बर

रायपुर/नवप्रदेश। छग राज्य ओपन स्कूल द्वारा आयोजित हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी मुख्य और अवसर परीक्षा वर्ष 2022 में शामिल होने के लिए प्रवेश प्रारंभ हो चुका है। प्रवेश की अंतिम सूची 15 नवम्बर तक निर्धारित की गई है। सचिव छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल ने बताया कि निर्धारित तिथि के पश्चात प्रवेश संबंधी कोई भी तिथि नहीं बढ़ायी जाएगी। छात्र-छात्राएं अपने जिले में निर्धारित अध्ययन केन्द्रों से परीक्षा आवेदन फार्म प्राप्त कर सकते हैं। हाई स्कूल कक्षा 10वीं की परीक्षा में शामिल होने के लिए 14 वर्ष की आयु पूर्ण होना और कक्षा 12वीं में प्रवेश के लिए हाई स्कूल की परीक्षा मान्यता प्राप्त बोर्ड से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। छात्र प्रवेश से संबंधित अधिक जानकारी के लिए अपने समीपस्थ अध्ययन केन्द्र से सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अध्ययन केन्द्रों की सूची ओपन स्कूल की वेबसाइट sos.cg.nic.in पर उपलब्ध है।

गांव को हरा-भरा बनाने के साथ ही महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ रही पुष्पा

स्व सहायता समूहों की महिलाएं फल उत्पादन के साथ दोनों उद्यानों में कर रही हैं अंतरवर्ती फसलों की खेती

■ हरियाली के साथ ही आजीविका का भी संवर्धन

रायपुर/नवप्रदेश। मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) कार्यों में मेट का काम करने वाली पुष्पा पटेल गांव को हरा-भरा बनाने के साथ ही महिलाओं को रोजगार के नए अवसरों से भी जोड़ रही हैं। धमतरी जिले के कुरुद विकासखण्ड के सिरसिदा गांव की पुष्पा महिला मेट के रूप में अपने कर्तव्यों के निर्वहन के साथ ही स्वसहायता समूह की सक्रिय सदस्य के तौर पर लोगों को, खासतौर से महिलाओं को वृक्षारोपण से जोड़ने का भी काम कर रही हैं। उसकी कोशिशों से गांव में महानदी के किनारे पांच साल पहले पांच एकड़ में रोपे गए फलदार पौधे अब 5-6 फीट के हरे-भरे पेड़ बन गए हैं। उसके प्रोत्साहन से तीन स्वसहायता समूहों की महिलाएं वहां फल उत्पादन के साथ अंतरवर्ती खेती कर अपनी आजीविका संवार रही हैं। इस उद्यम की कामयाबी को देखकर ग्राम पंचायत ने वर्ष 2020-21 में मनरेगा और डीएमएफ (जिला खनिज न्यास निधि) के अभिसरण से 12 लाख 51 हजार रूपए की लागत से 7.41 एकड़ में 850 फलदार पौधों का और रोपण करवाया है। गांव की शिव गंगा स्वसहायता समूह की 11 महिलाएं इनकी देखभाल करने के साथ रोपित पौधों के बीच अंतरवर्ती खेती कर रही हैं।

पेड़-पौधों से बचपन से ही लगाव रखने वाली पुष्पा का सिरसिदा में दोनों पौधरोपण क्षेत्रों में पौधों की देखभाल और महिलाओं को वहां आजीविकामूलक गतिविधियों से जोड़ने में अहम योगदान है। बारहवीं तक शिक्षित 39 साल की पुष्पा गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा-पुंज है। मेट के रूप में पुष्पा के कार्यों से प्रेरित होकर इस साल गांव की पांच अन्य महिलाएं श्रीमती नेहा साहू, श्रीमती चमेली निषाद, देवली दीवान, टिकेश्वरी निषाद और खिलेश्वरी साहू भी मनरेगा में महिला मेट बन गई हैं।

पुष्पा मनरेगा से निर्मित गांव के पहले फलदार पौधरोपण क्षेत्र के बारे में बताती है कि वर्ष 2016-17 में मनरेगा और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अभिसरण से गांव में मिश्रित पौधरोपण का कार्य स्वीकृत हुआ था। इसके अंतर्गत पांच एकड़ क्षेत्र में छह लाख 48 हजार रूपए की लागत से 1120 फलदार पौधों का रोपण करना था। पौधरोपण के बाद नियमित रूप से उनकी देखभाल भी करनी थी, इसलिए इसमें महिलाओं की भागीदारी जरूरी थी।

गांव की महिलाएं शुरू में इस

मनरेगा कार्यों में बढ़ाई महिलाओं की भागीदारी

महिला मेट के तौर पर पुष्पा की सक्रियता और प्रोत्साहन से मनरेगा कार्यों में गांव की महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। सिरसिदा में कुल पंजीकृत महिला श्रमिकों की संख्या 400 है। वर्ष 2017-18 में 179 महिला श्रमिकों ने 3606 मानव दिवस रोजगार सृजित किया था, जो वर्ष 2018-19 में बढ़कर 255 महिला श्रमिकों द्वारा 3752 मानव दिवस, वर्ष 2019-20 में 286 महिला श्रमिकों द्वारा 7754 मानव दिवस एवं वर्ष 2020-21 में 334 महिला श्रमिकों द्वारा 11 हजार 925 मानव दिवस हो गया।

स्वसहायता समूहों के जरिए रोजगार

पुष्पा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित जय मां शारदा स्वसहायता समूह की सक्रिय सदस्य है। वह पिछले पांच सालों से गांव की महिलाओं के साथ काम कर रही है और उन्हें स्वसहायता समूह के रूप में संगठित कर आजीविका मूलक गतिविधियों से भी जोड़ रही है। उसकी कोशिशों से गांव में अब तक 21 स्वसहायता समूह गठित हो चुके हैं। इनमें से तीन समूहों की महिलाएं फलदार पौधरोपण क्षेत्र में पेड़ों के मध्य अंतरवर्ती खेती कर शकरकंद, मूंगफली, भाजी, बरबट्टी, सेमी, मूली और गोभी की पैदावार ले रही हैं।

परिवार के हालात भी बदले

गांव में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ अपने परिवार की माली स्थिति को सुधारने में भी पुष्पा ने अपनी भूमिका का बखूबी निर्वहन किया है। मेट बनने के पहले वह पढ़ी-लिखी होने के बावजूद घर की चार-दीवारी तक सीमित थी। पति श्री करण सिंह पटेल मोटर सायकल रिपेयरिंग का काम करते हैं। आय के सीमित साधनों के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। पति की प्रेरणा और ग्राम पंचायत के सहयोग से पुष्पा वर्ष 2011 से मनरेगा कार्यों में मेट का काम कर रही है। मेट बनने के बाद बच्चों की परवरिश और घर-परिवार की जरूरतों को पूरा करने में वह अपने पति की मदद कर रही है। अपने स्वसहायता समूह के साथ उद्यान में सब्जियों की अंतरवर्ती खेती कर अतिरिक्त आय भी जुटा रही है।

बालको के योगदान से शिक्षा के क्षेत्र में हो रही उत्तरोत्तर प्रगति

श्री अभिजीत पति
मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक, बालको

बालको प्रबंधन ने शिक्षा के उन्नयन को सदैव ही सर्वोपरि रखा है। बालकोनगर ने साढ़े पांच दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में भरपूर प्रगति की है। बालको टाउनशिप में 15 स्कूल हैं जिनके संचालन में बालको प्रबंधन मदद करता है। बालकोनगर क्षेत्र में संचालित स्कूलों से शिक्षित विद्यार्थी देश-विदेश में अपनी प्रतिभा से सफलताएं अर्जित कर रहे हैं।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री अभिजीत पति ने कहा कि बालको ने अपने स्थापना काल से ही शैक्षणिक सुविधाओं के विकास पर भरपूर निवेश किया है। बालको के साढ़े पांच दशकों की यात्रा सिर्फ एक उद्योग के विस्तार की यात्रा नहीं है बल्कि इसकी प्रगति ने कोरबा क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को मजबूती दी है। श्री पति ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को नया आयाम दे सकती है। बालको के योगदान से बालको नगर एवं कोरबा क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव हो रहे हैं।

बालको क्षेत्र के वार्ड 35 के पार्षद श्री हितानंद अग्रवाल ने कहा कि बालको की स्थापना और उसके विस्तार के बाद आर्थिक गतिविधियां तो तेजी से बढ़ीं हीं ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, आधार भूत संरचना विकास आदि क्षेत्रों में भी जबरदस्त प्रगति हुई है। पिछले दो दशकों में बालको के विस्तार से क्षेत्रीय नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं। बालको के सहयोग से संचालित अनेक विद्यालयों से निकले विद्यार्थी देश और दुनियाभर में बालकोनगर का नाम रौशन कर रहे हैं।

बालको के सामुदायिक विकास परियोजना की 'परियोजना कनेक्ट' के अंतर्गत वेदांत स्टडी सेंटर संचालित है। यह परियोजना ऐसे विद्यार्थियों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है जो महंगी कोचिंग या ट्यूशन नहीं ले सकते। दिव्यांग बच्चों के सशक्तिकरण की दिशा में बालको वेदांत थैरेपी एंडरीहैब्लिटेशन सेंटर के संचालन में मदद कर रहा है। सेंटर की स्थापना ऐसे बच्चों के लिए की गई है जो देख, बोल और सुन नहीं सकते अथवा मानसिक रूप से निःशक्त हैं। इनरव्हील एजुकेशन सोसाइटी की ओर से संचालित केंद्र में निःशक्त बच्चों के लिए फीजियो थैरेपी, स्पीच थैरेपी, वर्क थैरेपी और बिहैवियर थैरेपी की सुविधा है।

वर्ष 2019 में बालको ने कोरबा स्थित दिव्य ज्योति छात्रावास परिसर में दृष्टिहीन और श्रवण बाधित युवाओं के लिए राज्य का पहला कौशल प्रशिक्षण केंद्र प्रारंभ किया। केंद्र में दिव्यांग युवाओं के लिए ब्यूटीशियन, हॉस्पिटैलिटी, कंप्यूटर और सिलाई के प्रशिक्षण की व्यवस्था है। दिव्यांग युवाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में 'वेदांता कॉलेज एंडरीहैबिलिटेशन सेंटर फॉर डेफएंड ब्लाइंड' महत्वपूर्ण है।